श्रावण मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 232 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 17 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने फहराया तिरंगा, लाल किले पर हुई पुष्प वर्षा

अखंड भारत संदेश

दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और देश को संबोधित किए। 15 अगस्त के दिन देश आजादी के 75वीं वर्षगांठ को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तौर पर मनाता है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आजादी का 75वां वर्ष मनाने के लिए मार्च 2021 में गुजरात के अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से 'आजादी का अमृत महोत्सव' शुरू किया था, जो 15 अगस्त, 2023 तक जारी रहेगा। देश में जश्न का माहौल है और हर देशवासी देशभक्ति के जज्बे से लबरेज है। 15 अगस्त 1947 को भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था। इसी दिन की याद में हर साल हिन्दुस्तान में 15 अगस्त का दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन हमें महात्मा गांधी, भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद समेत सैंकड़ों महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब लाल किले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया तभी भारतीय वायु सेना के दो एमआई-17 1वी हेलीकॉप्टर्स ने पहली बार समारोह स्थल के ऊपर पुष्प वर्षा की। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाले 32 खिलाड़ियों और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के दो अधिकारी भी लाल किले में आयोजित समारोह में भाग ले रहे हैं। रविवार सुबह जब पीएम मोदी का लाल किले पर आगमन हुआ तब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव ने उनकी अगवानी। रक्षा सचिव, दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), लेफ्टिनेंट जनरल विजय कुमार मिश्रा का प्रधानमंत्री से परिचय कराया। इसके बाद दिल्ली क्षेत्र के जीओसी मोदी को सैल्यूटिंग बेस तक ले गए, यहां एक संयुक्त इंटर-सर्विसेज और दिल्ली पुलिस गार्ड ने प्रधानमंत्री को सामान्य सलामी दी। इसके बाद प्रधानमंत्री ने सलामी गारद का निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री के लिए सलामी गारद दल में सेना, नौसेना, वायु सेना और दिल्ली पुलिस प्रत्येक में से एक-एक अधिकारी और 20-20 जवान शामिल हैं। सलामी गारद के निरीक्षण के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर के लिए प्रस्थान किया, यहां उनका स्वागत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, थल सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर.के.एस. भदौरिया ने किया। दिल्ली क्षेत्र के जीओसी राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रधानमंत्री को प्राचीर स्थित मंच पर ले गए। ध्वज फहराने के बाद तिरंगे को 'राष्ट्रीय सलामी' दी गई। नौसेना के बैंड ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने और 'राष्ट्रीय सलामी' के दौरान राष्ट्रगान की धुन बजाई। इसमें 16 लोग शामिल हुए। बैंड का संचालन एमसीपीओ विंसेंट जॉनसन द्वारा किया गया। लेफ्टिनेंट कमांडर पी. प्रियंबदा साहू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने में प्रधानमंत्री की सहायता की। इसके साथ विशिष्ट 2233 फील्ड बैटरी (औपचारिक) के बहादुर जवानों ने 21 तोपों की सलामी दी।

राजीव गांधी राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए प्रोफेसर खान चयनित

वर्ष 2021के लिए मुख्तार अहमद खान ग्लोबल इंडियन एसोसियेशन द्वारा कोरोना योद्धा का पाएंगें सम्मान

शहजादे

कोरांव/प्रयागराज। जनपद इलाहाबाद के ग्राम छड़ गड़ा मूल निवासी हाजी प्रोफेसर मुख्तार अहमद खान जो सऊदी अरब में सोशल एक्टिविस्ट और शिक्षाविद है,उन्हे ग्लोबल इंडियन एसोसियेशन द्वारा कोरोना योद्धा को वर्ष 2021 राजीव गांधी उत्कृष्टता पुरूस्कार सम्मान से नेवाजेगी।

बता दें कि उक्त एन जी ओ पूरे विश्व में तकरीबन एक लाख कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करने जा रहा है। पुरूस्कार पाने वालों में शीर्ष संगठन भारत में 253163 पंचायतों के 30 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में से चयनित सदस्य,और भारत के ही 30 लाख नर्सों और डाक्टरों में से चुने गए स्वास्थ्य कार्यकर्ता,मीडिया कर्मी,दुनिया भर के व्यक्तिगत परोपकारी,सोशल वर्कर,वगैरह शामिल हैं। दरअसल कोरोना महामारी के मौजूदा प्रकोप के कारण पीडि़तों की मदद के लिए धर्मार्थ गतिविधियां और आधिकारिक कर्तव्य के दृष्टिगत उक्त पुरूस्कार व सम्मान समारोह का आयोजन दुनिया भर में हर देश में आयोजित किए जाएंगे।

पुरस्कार समारोह का पहला और दूसरा सत्र राजीव भवन दिल्ली,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर 20 अगस्त ,2021 को भारत के पूर्व प्रधान मंत्री स्व0 राजीव गांधी जी की 77 वीं जयंती से 21तारीख तक आयोजित किया जाएगा। जो मई 2022 तक चलेगा पूरे विश्व भर में। इस बाबत सम्पर्क सूत्र 9072795547 राजीव जोसेफ अंतर राष्ट्रीय राष्ट्रपति ग्लोबल इंडियन एसोसियेशन ,जी आई ए, नई दिल्ली । श्री खान सऊदी अरब में जजान यूनिवर्सिटी में बतौर प्रोफेसर कार्य रत है। और उनकी बेटी भी प्रोफेसर है। ये सदैव भारतीयों को सऊदी अरब में परेशान हाल व मुसीबत जदा लोगों की मदद कर भारत वतन पहुंचवाने व सरकार से तथा भारतीय दूतावास से सम्पर्क कर मदद करते आ रहे हैं। कोरोना महामारी में भी ज्यादातर लोगों को सहायता कर भारत लोगों को पहुंचवाने में अहम रोल अदा की। दिनी दुनियावी दोनों तालिमों के प्रति समर्पित खान ने प्रयागराज में मदरसे खोल्वा कर गरीब मजलूमों अनाथों के बच्चों को तालीम दिलवाने का कार्य कर रहे हैं।

बजरंग दल ने मनाया अखण्ड भारत संकल्प दिवस

अखंड भारत संदेश

कौधिंयारा। जारी बाजार केसरवानी धर्मशाला में अखण्ड भारत संकल्प दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्यवक्ता जिला संयोजक विपिन गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान का बंटवारा राजनैतिक बंटवारा था सांस्कृतिक नही भारत की सीमाएं पूर्वी ईरान से लेकर दक्षिण चीन ओर श्री लंका से लेकर वर्मा तक थी। जो विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण के कारण खंडित होती गयी भारत अखण्ड बनाने की शुरुवात कश्मीर से हो चुकी है उपस्तिथ लोगो ने भारत को अखण्ड बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिन्दू परिषद के जिला संरक्षक शुरेश केसरवानी और संचालन जिला सह मंत्री रवि ने किया ।भारत माता की आरती कर के कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यरूप से विनय कुमार ,हिमांशु अग्रहरी, लाला पंडित,बाबा यादव , दिलीप पांडेय,मंतोष , अमित,दिव्यांशु सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्तिथ रहे ।

विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत डीहा में जिला पंचायत सदस्य डाक्टर विजय बाबू यादव,व समाज सेवी दूध नाथ यादव के साथ प्राथमिक विद्यायालय पर झंडा रोहण किया।

जसरा क्षेत्र में 3303 लोगों ने लगवाए वैक्सीन

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में सोमवार को 10 गांवों में वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें 18 प्लस युवाओं के साथ ही सीनियर सिटीजन का 3303 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। सीएचसी अधीक्षक डा0तरुण पाठक ने बताया कि हर गांवों के लोग वैक्सीन के प्रति सजग रहे और बढ़ चढ़कर कैम्पों में भागीदारी निभाई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में सोमवार को सरकार द्वारा वृहद कैम्प का आयोजन 10 गांवों में किया गया। जिसमें जारी द्वितीय में 301,लोटाढ़ में 300,गींज 240,चामू में 290, मैदा में 300,इरादतगंज में 240,सेन्धुवार में 242,भीटा में 230,बसहरा में 190 व सेमरा कल्बना में सबसे अधिक 450 लोगों का टीकाकरण किया गया। जब कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में 520 लोगों ने वैक्सीनेशन कराया। इस तरह अभियान में कुल 3303 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया है। सीएचसी की स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी सीमा सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा चलाये जा रहे इस महत्वपूर्ण योजना में अन्य किसी विभाग के लोगों ने सहयोग नहीं किया। जब कि सीएचसी अधीक्षक डा0 तरुण पाठक ने कहा कि जिस तरह लोग टीकाकरण में भाग ले रहे हैं,इससे लग रहा है कि जल्द ही पूरा क्षेत्र वैक्सीन युक्त हो जाएंगा। अधीक्षक डा0पाठक ने क्षेत्र की जनता से बार बार अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग टीकाकरण करायें और स्वयं बचें साथ ही अपने परिवार को सुरक्षित रखें। सीएचसी अधीक्षक ने सभी गांवों के क्षेत्र पंचायत सदस्य व प्रधानों से भी अनुरोध किया है कि वह गांव के लोगों को एक अभियान चलाकर सजग करें और प्रेरित कर टीकाकरण के सम्बंध में बताएं। जिससे ग्रामीण जनता टीकाकरण से वन्चित न रहे। इस अवसर पर ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक पंकज मिश्र,नेत्र परीक्षण अधिकारी डा0हीरानंदन पंकज पांडेय, वैक्सीनेटर नीशा गौतम,प्रमिला सिंह, सुमन सिंह,रीता सिंह,इन्द्रावती आदि एएनएम उपस्थित रहीं।

विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत चनैनी गांव के प्रधान धीतेश तिवारी स्कूल के शिक्षकों के साथ झंडा रोहण किया।

बरहुला प्राथमिक पाठशाला मे हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र के बरहुला प्राथमिक पाठशाला प्रांगण में 75 वां ध्वजारोहण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कोविड 19 को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ महिला फूलकली के हाथों से ध्वजारोहण हुआ। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक मनोज कुमार शुक्ला के उपस्थित मे ध्वजारोहण हुआ । प्रांगण में छोटी सी सभा का आयोजन किया गया जिसमे गाँव के सम्मानित वर्तमान प्रधान भूपेश सिंह और पूर्व प्रधान योगेश सिंह, गाँव के अभिवावक उपस्थित रहे । इसके बाद उपस्थित अभिभावकों ने राष्ट्रगीत, भजन आदि देश भक्ति का गीत का आयोजन किये उपस्थित अध्यापकों ,अतिथियों ने सभा को सम्बोधित किया। सभा को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक मनोज कुमार शुक्ला ने कहा कि कोविड 19 के चलते पठन पाठन बहुत प्रभावित हुआ है। तत् सम्बन्ध में शासन द्वारा दिशा निर्देश आया था फेज 5 मोहल्ला पाठशाला चलाया जा रहा है उसका पालन करते हुए पठन

पाठन शुरू है। पुनीता यादव सहायक अध्यापक रोली यादव सहायक अध्यापक, कमलाकर सिंह शिक्षामित्र साथ ही अभिवावक उपस्थित रहे।

पोषाहार वितरण में मनमानी पर भड़के ग्राम प्रधान

प्रधान अल्हवा ने मनमानी वितरण पर लगाई रोक,कहा समूह की कार्यकर्ताओं के घर नहीं आंगनबाड़ी केंद्रों पर बटेंगे पोषाहार खाद्य सामग्रियां,किया जिलाधिकारी से शिकायत,

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कोरांव ब्लाक के कई गांवों में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा गर्भा वती महिलाओं व बच्चों के सामग्री वितरण से अ संतुष्ट ग्राम प्रधान अल्हवा शहजादे ने आंगनबाड़ी केंद्र पर ही पोषाहार आदि सामग्री वितरित करने के निर्देश दिए है। और ऐसा न करने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि के खिलाफ शिकायत कर करवाई की चेतावनी दी है। ग्राम प्रधान अल्हवा एवम मिसकीन सेवा

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और समूहों के मध्य हेरा फेरी की शिकायत

संस्थान ट्रस्ट के सचिव शहजादे ने ग्रामीणों की शिकायत पर उक्त एक्शन स्वतः लिया है। उन्होंने बताया कि महिला स्वयं सहायता समूह की मुख्य कार्य करती व आंगनबाडी कार्यकर्ता पोषाहार सामग्रियां केंद्रों पर न वितरण कर अपने अपने घरों पर मनमानी तरीके से वितरित करती है और हेराफेरी भी करती हैं जिससे पात्र लाभार्थी त्रस्त है। चर्चा है कि लिस्ट के अनुसार सामग्री नहीं वितरित होती। इस बाबत सी डी पी ओ कार्यालय कोरांव के प्रधान लिपिक ने बताया कि ग्राम प्रधान गांव का सर्वे सर्वा होता है। केंद्र पर ही सामग्री का वितरण होना चाहिए,यदि घर पर अपने महिला समूह के कार्यकर्ता वितरित करते हैं तो गलत है। साथ ही प्रधान को अधिकार है कि वह सामग्री का वितरण कार्य चेक करें और मनमानी पर अंकुश लगाएं। उक्त कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि इस बाबत समूहों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया जा रहा है। जिससे ग्राम प्रधान की शिकायत का निस्तारण हो सके।

विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत मनैया की प्रधान मंजू द्विवेदी ने स्कूल प्रांगण में झंडा रोहण करते हुए।

घूरपुर के हुल्ला का पूरा में चल रहे अवैध ईट भट्ठा सीज

घूरपुर। इलाके के हुल्ला का पूरा मे अवैघ रूप से संचालित हो रहे एक ईंट भट्ठे को प्रशासन ने सीज कर दिया। हुल्ला का पूरा गांव में अवैघ रूप से चल रहे एक ईंट भट्ठे को शिक़ायत पर प्रशासन ने जांच कराया तो जांच में ईंट भट्ठे चलाने का कोई भी दस्तावेज नहीं मिला। जिससे अवैघ पाए जाने पर सोमवार के दिन एसडीएम बारा विनोद पांडेय के नेतृत्व में खनिज विभाग, पर्यावरण विभाग व जिला पंचायत के अधिकारी व घूरपुर एसओ राजेश उपाध्याय भारी फोर्स के साथ पहुंच ईंट भट्ठा को सीज कर दिया।

सावन के आखरी सोमवार को मनकामेश्वर धाम में शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

अखंड भारत संदेश

लालापुर। सावन के आखरी सोमवार को शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक। पर्वत के शिखर पर स्थित मनकामेश्वर धाम में हर किसी की मनोकामना पूरी होती है।प्रयागराज से लगभग 40 किमी0 दक्षिण पश्चिम छोर पर विराजमान भूतेश का शिवलिंग भक्ति का अद्भुत संगम है।यमुना नदी के किनारे पहाड़ की चोटी पर विराजमान भगवान शिव का दर्शन पूजन करने के लिए दूर दूर से भक्त आते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण करतें हैं।कहा जाता है कि भगवान राम ने वनगमन के समय मनकामेश्वर शिवलिंग की स्थापना की थी।

सावन के तीसरे सोमवार को 04 बजे सुबह से ही मनकामेश्वर धाम में भक्तों की भारी भीड़ रही। मनकामेश्वर मेले में ग्रामीण क्षेत्रों का ही मेला रहा।सुबह से शिव भक्तों ने हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए मनकामेश्वर धाम में भगवान शिव का दर्शन कर अपने व अपने परिवार की मंगलकामना के लिए पूजा अर्चना किया। मेला क्षेत्र में ग्राम प्रधान शंकर लाल पाण्डेय ने श्रद्धांलुओं को मास्क व सेनेटाइजर वितरित किया।लालापुर पुलिस दर्शनाथिर्यों के सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में मौजूद रही।

ब्लाक प्रमुख करछना सरोज द्विवेदी ने झंडा रोहण कर शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया और नमन् करते हुए श्रद्धांसुमन अर्पित किया, उनके साथ कमलेश द्विवेदी, मिथिलेश द्विवेदी, संतोष पांडेय, अल्प नरायन सिंह, मनीष शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

ज़ी जी एम कान्वेंट स्कूल में ध्वजारोहण कर आजादी के दीवानों को किया नमन

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गौहनिया स्थित जी.जी.एम. कान्वेंट स्कूल में भारतीय जनता पार्टी के कौंधियारा मंडल अध्यक्ष प्रसाद केसरवानी एवं प्रबंधक दिनेश प्रजापति के द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम प्रधान राजेश साहू के द्वारा मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। विद्यालय के संरक्षक ब्रह्मानंद यादव एवं बलराम सिंह यादव तथा निवर्तमान प्रधान पवरी हरिश्चंद्र तथा जिला प्रतिनिधि राजमणि पासवान ने भी भारत माता एवं महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किए। आजादी के दीवानों को यादकर नमन किया गया। कार्यक्रम में अन्य प्रमुख लोगों में प्रबंधक इंद्रजीत पटेल, एडवोकेट मो. आरिफ, मो. सगीर ,सुधा शुक्ला ,राममूर्ति ,अमित राज, पवन, धर्मेंद्र ,राम जी, एवं नरेंद्र

यादव विजय शंकर पांडे, विनोद साहू, अवधेश कुशवाहा, पारसनाथ मिश्रा राम लखन, बनारसी लाल, मोहनलाल आजाद सिंह एवं सुधाकर सिंह ने भीअपनी गरिमामई उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रमा प्रसाद ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किए।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महामृत्युंजय महायज्ञ में हुआ राष्ट्रगान

जंघई। महरछा रधईपुर गाँव में आचार्य धीरज द्विवेदी ठयाज्ञिकठके सानिन्ध्य में चल रहे श्री महामृत्युंजय महायज्ञ में आचार्य मनमोहन पांडेय, पं.संदीप पाण्डेय, पं.आलोक द्विवेदी, पं.चंद्र भूषण तिवारी, पं.अजय शुक्ला वैदिक, पं.हरिओम तिवारी,पं.मनमोहन तिवारी आदि याज्ञिक ब्राम्हणों द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान वंदेमातरम गाया गया।

पानी निकलवाने को लेखपाल ने बनवाई नाली

बरसात के पानी से घिरे थे शिवराजपुर के दर्जनभर से अधिक मकान

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। पिछले सप्ताहभर से पानी से घिरे दर्जनभर परिवारों को आज राहत मिल गई। क्षेत्रीय लेखपाल ने लोगों के सहयोग से उक्त पानी को निकलवाने के लिए जेसीबी के जरिए सडक़ के किनारे नाली बनवाई, तब जाकर सप्ताहभर से घरों में लगा पानी निकाला जा सका। पानी निकाले जाने से लोगों ने राहत की सांस ली और लेखपाल का आभार जताया। बताते चलें कि सप्ताहभर पहले हुई मूसलाधार बरसात के कारण यमुनापार के शिवराजपुर की बस्ती में पानी लग गया था। तकरीबन 15 मकान पानी से पूरी तरह से घिर गए थे। जल निकासी का रास्ता न होने के कारण लोगों का घर से निकलना और खाना-पीना व सोना दूभर गया था। मामले की शिकायत क्षेत्रीय लोगों ने एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी से की। तहसील प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए क्षेत्रीय लेखपाल को समस्या समाधान के

लिए निर्देशित किया। इस पर लेखपाल गंगा प्रसाद मौके पर पहुंचे और क्षेत्र भ्रमण कर हालात का जायजा लिया। इसके पश्चात स्थानीय लोगों के सहयोग से जेसीबी की मदद से सडक़ किनारे नाली बनवाई।

पीड़ित परिवार से मिल डीआईजी, एसएसपी, न्याय दिलाने का दिया भरोसा

अखंड भारत संदेश

लालापुर। विगत एक पखवाड़े पूर्व लालापुर क्षेत्र के डेराबारी गांव में गोली मारकर किसान की हत्या मामले का सोमवार के दिन डीआईजी/एसएसपी प्रयागराज ने अन्य पुलिस अफसरों के साथ निरीक्षण करते हुए पीड़ित परिवार से मिल उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। लालापुर थाना क्षेत्र के डेराबारी गांव में विगत दिनों जमीनी विवाद में किसान पुष्करनाथ द्विवेदी की उनके ही पट्टीदार राजेन्द्र द्विवेदी व उनके बेटे राजकिशोर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी । घटना के बाद मृतक पुष्करनाथ के कांस्टिबल बेटे जितेंद्र ने राजेन्द्र ,राजकिशोर सहित छ के खिलाफ हत्या सहित विभिनन्न धाराओं में केस दर्ज कराई थी । घटना के कुछ दिनों बाद दो मुख्य आरोपी

उपरोक्त राजेन्द्र व उसके बेटे राजकिशोर को तत्तकालीन एसओ वृंदावन राय ने बंदूक समेत पकड़ जेल भेज दिया था । अन्य आरोपियों को ना पकड़ पाने व घटना पर ठीक से वर्क ना कर पाने सहित कई आरोपो के आधार पर तत्तकालीन एसओ वृंदावन राय को डीआईजी ने निलंबित करते हुए बड़ी कार्रवाई की थी । साथ ही लालापुर थाने की कमान एसएसपी के पीआरओ रहे मनीष त्रिपाठी को दी गई थी । सोमवार के दिन डीआईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ,एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ,सीओ बारा अवधेश शुक्ला को लेकर डेराबारी गांव पहुंच घटना स्थल का निरीक्षण किया और मृतक पुष्करनाथ के परिजनों से मिल उनका हाल जाना और उन्हें अन्य आरोपियों को जल्द पकड़ कर जेल भेजने का भरोसा दिया । इस बीच डीआईजी ने एसओ मनीष कुमार त्रिपाठी को भी आरोपियों को पकड़ने और इलाके में शांति व्यवस्था बनाये रखने की हिदायत दी।

मिशन शक्तिः दुधमुंहे बच्चे के साथ सकुशल मिली महिला

सालभर के बेटे के साथ लापता महिला बरामद

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। सालभर के बेटे के साथ गायब हुई महिला को पुलिस ने बरामद कर लिया है। महिला सकुशल है। बरामदगी की सूचना उसके परिजनों को दे दी गई है। यह मामला यमुनापार के शंकरगढ़ थाने का है। एसओ शंकरगढ़ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत दस जनवरी 2021 से एक महिला अपने सालभर के बेटे के साथ गायब हो गई थी। इस मामले की छानबीन की जा रही थी। पुख्ता सुगार मिलने के उपरांत महिला को उसके बच्चे के साथ सकुशल बरामद कर लिया गया। बरामद महिला और उसके बच्चे को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। महिला और बच्चे की बरामदगी में एसआई अरविंद कुमार यादव, कांस्टेबल विवेक सिंह, महिला कांस्टेबल पिंकी यादव की भूमिका सराहनीय रही।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

स्वतंत्रता दिवस : इफको में शान से लहरा तिरंगा, जश्न- ए- आजादी में डूबे देश प्रेमी

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। इफको की फूलपुर इकाई में रविवार को 75वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। तिरंगों से सजे घियानगर प्रांगण मे बज रहे देशभक्ति धुनों के बीच इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया ने ध्वजारोहण कर देश की आजादी के नायकों को नमन कर उनकी शहादत को सलाम किया। इफको की उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि प्रबंध निदेशक के नेतृत्व में इफको ने नैनो यूरिया का उत्पादन कर जहां किसानों के अतिरिक्त खर्च को कम करने का काम किया है वहीं नैनो यूरिया के उपयोग से जल पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। कोरोना काल में अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की मदद करने वाले कोरोना वैरियर्स को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी इफको ने सराहनीय कार्य किया है। आस पास के क्षेत्रों में गरीबों एवं जरूरतमंदों को खाद्य पदार्थ वितरित करने का काम हो या फिर कोरोना से पीड़ित रोगी को आक्सीजन देने का काम हो इफको ने सबमें अग्रणी भूमिका निभाई है। ध्वजारोहण के अवसर पर रंगारंग परेड आयोजित हुई तथा पी ए सी बैड ने इस अवसर पर मनमोहक धुन प्रस्तुत की। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय के बच्चों ने राष्ट्रगान व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। देश भक्ति नारों के साथ आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे आस पास के ग्रामीणों के साथ ही अन्तः वासियों ने बच्चों के द्वारा गाए गीत की सराहना की। कोरोना काल में अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने पर डाक्टर सत्य प्रकाश व अनीता मिश्रा के साथ ही इफको के अन्य चिकित्सकों व कोरोना वैरियर्स को इकाई प्रमुख ने सम्मानित किया। मौके पर श्रीमती कुदेशिया,दानवीर सिंह, पद्माकर त्रिपाठी, संतोष शुक्ला, इफको अधिकारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय, महामंत्री विनय यादव,रवि सहित इफको के अन्य अधिकारी व कर्मचारी के साथ ही भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

75वें स्वतंत्रता दिवस पर इकाई प्रमुख ने ध्वजारोहण कर दिया एकता और अखंडता का संदेश

नैनो यूरिया के उत्पादन पर प्रबंध निदेशक का आभार प्रकट कर दिया धन्यवाद

बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया 75 वां स्वतंत्रता दिवस

उतरांव। ब्लॉक बहादुरपुर अंतर्गत कहरा हनुमानगंज मुख्यालय पर आस्था वृद्ध नवजीवन सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से बड़े ही धूमधाम से 75वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया गया। हमारी संस्था के प्रेरणा स्रोत। बी0ए0 प्रसाद जी के कर कमलों द्वारा ध्वज वंदन किया गया ।तिरंगे को फहराते हुए संस्था के सभी सम्मानित पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय गान गाकर कर तिरंगे और देश के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की ।ध्वजारोहण कार्यक्रम में हमारी संस्था के अध्यक्ष ,अश्वनी कुमार वर्मा, सचिव, अंजनी कुमार प्रबंधक ,राम भजन सागर ,मीडिया प्रभारी ,रामसेवक प्रजापति के साथ-साथ अरविंद कुमार, वर्मा, अमित कुमार वर्मा, जंग बहादुर, कृपानिधि ,सतीश चंद्र जायसवाल ,रामनिरंजन सागर, अमित सागर ,के साथ-साथ संस्था के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

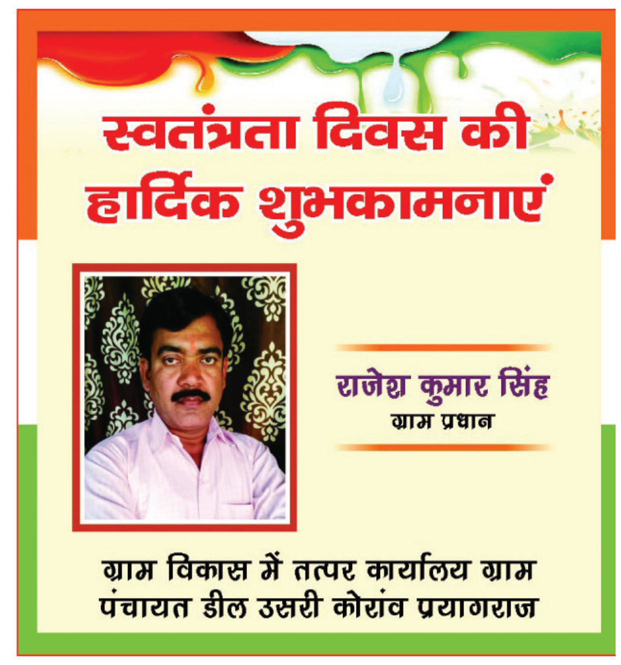

शान से लहराया तिरंगा निकली प्रभात फेरी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। आजादी का पर्व जिला मुख्यालय सहित ग्रामीणांचल में स्थित सभी सरकारी, गैर सरकारी, शैक्षिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ध्वजारोहण स्थानीय प्रमुखों/अतिथियों के द्वारा किया गया। आजादी के दीवानों को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। समाजसेवी संस्थाओं ने क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया, गरीबों में फल का वितरण किया और बच्चों को मिठाई बांटी गई।15 अगस्त के मौके पर यमुनापार के शंकरगढ़ समेत तमाम इलाकों में ध्वजारोहण कर धूमधाम के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी बारा प्लांट में प्रबंधक अमिताभ अग्रवाल,लल्लन सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया।राजा कमलाकर इंटर कालेज शंकरगढ़ में प्रधानाचार्य अनय प्रताप सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया।इसीतरह केसरवानी धर्मशाला शंकरगढ़ में व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद गुप्ता, महामंत्री रतन केसरवानी,उपाध्यक्ष जय केसरवानी केसरवानी, कोषाध्यक्ष अनुज केसरवानी, सह कोषाध्यक्ष अरविंद केसरवानी के नेतृत्व में ध्वजारोहण कर मिष्ठान वितरित किया गया। इसी तरह नगर पंचायत कार्यालय शंकरगढ़ में चेयरमैन लल्लू कनौजिया की अगुवाई में ध्वजारोहण किया गया। मौके पर ईओ सत्येंद्र प्रकाश चौरसिया,लिपिक प्रदीप कुमार, रफीक अहमद, सभासद प्रतिनिधि सुजीत कुमार समेत तमाम लोग मौजूद रहे। इसीतरह विकासखंड शंकरगढ़ में खंड विकास अधिकारी अमित मिश्रा की अगुवाई में ध्वजारोहण किया गया। मौके पर एडीओ पंचायत दीपेश सिंह, ग्राम विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार मौर्या,दीपेश सिंह,प्रेमचंद्र सिंह, शशिकांत सिंह आदि लोग रहे। इसी तरह कम्पोजिट विद्यालय शंकरगढ़ में समाजसेवी रामखेलावन गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया गया। मौके पर वीरेंद्र सिंह, नृपेंद्र सिंह,अतुलेश्वरी गुप्ता आदि लोग रहे।

भारद्वाज गुरूकुलम विद्यालय में सादगी से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र के देवनहरी गांव स्थित भारद्वाज गुरूकुलम विद्यालय में रविवार को 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर जश्न-ए-आजादी को मनाया गया। संस्थान के निदेशक एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता के लिए शहीद वीर सपूतों को नमन किया। देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा की भारत की एकता और अखंडता बनाए रखें यही बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। संस्थान के प्रबंधक व संचालक विनय उपाध्याय ने कहा की आज हम जो जश्न मना रहे हैं उसके लिए कितने वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनकी शहादत को देश कभी भुला नहीं सकता। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित बच्चों एवं अभिवावकों में मिठाईयां बांटी गई। मौके पर विद्यालय के छात्रों के साथ ही अभिवावक,शिक्षक व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

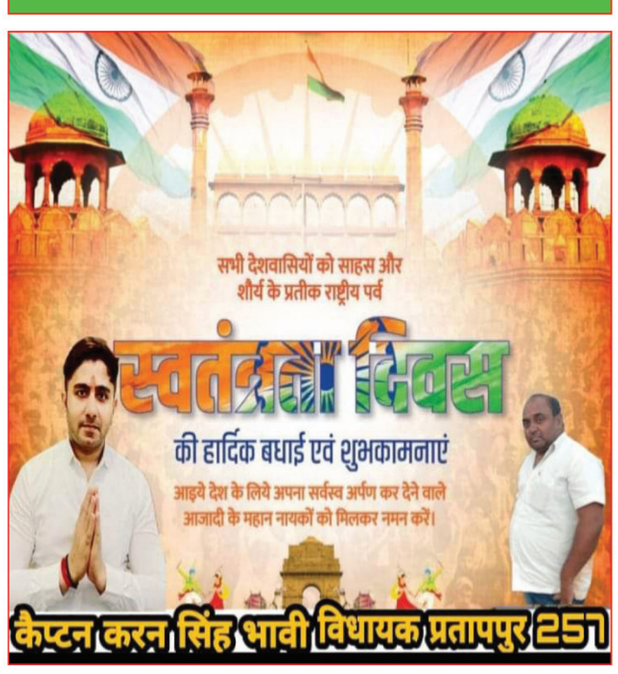

अपनी जिम्मेदारी व कार्य को ईमानदारी से करने का संकल्प लें

पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया 75वां स्वतंत्रता दिवस

प्रतापगढ़। पूरे जिले में स्वतंत्रता दिवस का 75वां दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने जहां कलेक्ट्रेट में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए बलिदानियों के परिजनों को सम्मानित किया। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों, अर्द्धशासकीय कार्यालयों, स्वैच्छिक संस्थानों एवं स्कूल कालेजों में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं देश के अमर शहीदों की शहादत को याद करते हुये उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने कलेक्टेट्ट के प्रांगण में ध्वजारोहण किया और उसके उपरान्त राष्ट्रगान में सम्मिलित हुये। उधर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा 75वें स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम प्रति वर्ष की भांति पंजाबी मार्केट सुभाष पार्क पर जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम गंगा-जमुनी तहज़ीब व आपसी भाईचारे के मिसाल को कायम रखते हुए ध्वजारोहण पर उपस्थित मुख्य अतिथि गल्ला मंडी के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान संरक्षक रामेश्वर प्रसाद उमरवैश्य एवं विशिष्ट अतिथि गल्ला मंडी के पूर्व महामंत्री व वर्तमान संरक्षक मो0 अब्दुल जब्बार द्वारा कराया गया। इसके बाद भारत माता के जयकारे के साथ जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी ने राष्ट्रगान कराया। साथ ही देश के अमर शहीदों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु, बिस्मिल्ला ख़ान, अताउल्लाह, सरदार भगत सिंह आदि देशभक्तों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा शहीद वीर सैनिकों को याद कर नमन कर अमर रहे का नारा लगाकर शहीद सुभाष चंद्र बोस के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संचालन करते हुए जिला महामंत्री संजय सोनी ने मंचासीन मुख्य अतिथि रामेश्वर, जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी सहित पदाधिकारियों को व्यापारियों द्वारा माला पहनाकर स्वागत कराया।

नगर पालिका के शहीद पार्क में हुआ वृक्षारोपण

फोटो 2-नगर पालिका में झण्डारोहण करतीं नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह

प्रतापगढ़। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिका में नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने झण्डा फहराया। अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह कार्यक्रम के प्रमुख सहयोगी रहे। इस अवसर पर सभी कर्मचारी व सभासद उपस्थित रहे। नगर पालिका के सभाकक्ष में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया और शहीद उद्यान में नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह, अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह व सभासदों ने आम्रपाली प्रजाति के आमों के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर सफाई निरीक्षक एस0के0 सिंह, प्रशांत सिंह, आरआई लाल बहादुर सिंह, राजेश बिन्द, सभासद ज्ञानेश मिश्र, अनिल सिंह, दीपक उमरवैश्य, आशुतोष सिंह, आशीष जायसवाल आदि मौजूद रहे। सफाई निरीक्षक ने बताया कि आम्रपाली प्रजाति के पेड़ में हर वर्ष फल तैयार होते हैं।

अफगानिस्तान का ताजा घटनाक्रम भारतीय हितों के लिए चिंताजनक : प्रमोद तिवारी

प्रमोद तिवारी ने सावन के आखिरी सोमवार पर बाबा को टेका मत्था

लालगंज प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी सोमवार को रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र मे विविध कार्यक्रमों मे शामिल हुये। सावन के आखिरी सोमवार पर प्रमोद तिवारी बाबा अपरान्ह बेला मे घुइसरनाथ धाम पहुंचे। सीडब्लूसी मेंबर प्रमोद ने श्रद्धालुओं के साथ पंक्तिबद्ध होकर बाबा को मत्था टेकते हुए लोक कल्याण की कामना से भगवान वेंकटेश्वर का भी दर्शन पूजन किया। इसके बाद श्री तिवारी ने राहाटीकर दुर्गेश्वरी धाम पहुंचकर हाल ही मे दिवंगत हुए स्वामी लाल बाबा की स्मृति मे आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे शामिल हुये। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, जिपं सदस्य लल्लन सिंह, रिंकू सिंह परिहार, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सुरेंद्र सिंह ददन, सुधाकर पाण्डेय, अरविंद मिश्र, आचार्य विन्देश्वरी पटेल, केडी मिश्र, राजू मिश्र, महेन्द्र सिंह, पवन शुक्ल आदि रहे।

प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने अफगानिस्तान मे तालिबान के द्वारा सत्ता के कब्जे की अलोकतांत्रिक कार्रवाई को भारत के कूटनय क्षेत्र के लिए गंभीर चिंताजनक घटनाक्रम करार दिया है। श्री तिवारी ने कहा कि संसद और विधानमण्डल की गैरमौजूदगी मे एक प्रतिबंधित संगठन द्वारा पडोसी अफगानिस्तान मे जिस तरीके का घटनाक्रम सामने लाया गया है उससे सबसे बडी चिंता देश को पाकिस्तान तथा चीन व अफगानिस्तान की सीमा से जुडे कश्मीर को लेकर उत्पन्न हुई है।

टीवी कलाकार अनुपम श्याम को अर्पित की पुष्पांजलि

सोमवार को नगर के एक दिवसीय दौरे पर आये सीडब्लूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने सबसे पहले स्टेशन रोड पहुंचकर टीवी कलाकार अनुपम श्याम ओझा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने चर्चित प्रतिज्ञा एवं अन्य कई मशहूर टीवी सीरियल के लोकप्रिय अभिनेता अनुपम श्याम ओझा की स्मृति मे जिले के अभिनय तथा कला के क्षेत्र मे रूचि रखने वाले युवाओ को एक फोरम उपलब्ध कराए जाने की पहल पर जोर दिया है। वह पत्रकार दिनेश सिंह के आवास पर भी पहुंचे और हाल ही में उनकी माता रेशमा सिंह के आकस्मिक निधन पर आयोजित शोकांजलि कार्यक्रम मे शामिल हुये। नगर के एक पैलेस में मीडिया से रूबरू प्रमोद तिवारी ने कहा कि अफगान का मौजूदा घटनाचक्र भले ही पूरी तरह से एक देश का आंतरिक सत्ता संघर्ष है किंतु इतिहास साक्षी है कि जिस तरह से वर्तमान मे पाकिस्तान और चीन ने खुलकर तालिबान का साथ दिया है और इन दोनों देशो ने खुलकर खेल खेला तथा तालिबान का कब्जा हो जाना अब कश्मीर की शांति बहाली के लिए भी खतरे की घंटी है।

भयहरणनाथ धाम में सावन के चौथे सोमवार को जलाभिषेक को उमड़े शिव भक्त

विश्वनाथगंज विधायक आर0के0 वर्मा पहुंचे भयहरणनाथ

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में सावन के चौथे सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण जलाभिषेक को आए। पुलिस व कार्यकर्ताओं की सुव्यवस्था से लोग बारी बारी से दर्शन पूजन करते रहे और वापस जाते रहे जिससे भीड़ नही लगने पाई।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि जेठवारा थानाध्यक्ष रवींद्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में चौकी इंचार्ज राज्याभिषेक मिश्र ने आवश्यक पुलिस बल व अन्य विभागों के साथ सभी व्यवस्थाओं पर नियंत्रण करते हुए सुव्यबस्था की। उधर विश्वनाथगंज विधायक डा0 आरके वर्मा भयहरणनाथ धाम पहुंचे। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक व धाम के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ आर के वर्मा ने धाम के महासचिव समाज शेखर सहित प्रबन्ध समिति व पर्यटन विभाग पदाधिकारियो के साथ भ्रमण कर स्थलीय जायजा लिया। सभी कार्यो की समीक्षा करके उन्होंने प्रोजेक्ट मैनेजर व अभियंताओं को समय से गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि धाम में मंच व दर्शक दीर्घा बन जाने से सार्वजनिक गतिविधियों व आयोजनों में सुविधा होगी। धार्मिक स्थल होने के नाते यहां विशिष्ट से लेकर आम जन शादी विवाह में भी उपयोग कर लाभ ले सकेंगे। साथ ही उन्होंने धाम में पंच परमेश्वर चौपाल का पुनरोद्धार अपने विधायक निधि से कराने का निणय लिया और इसके लिए रुपये 5 लाख स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भयहरणनाथ धाम के विकास में सरकार व समाज मिलकर हर संभव प्रयास करेंगे। धाम के विकास का फायदा पूरे समाज को मिलेगा। उन्होंने कहा कि धाम में शीघ्र ही एक बेलनेस सेंटर स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वीकृत हुआ है जो शीघ्र बनेगा जिससे यहां स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा भी होगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि फूल चंद्र पटेल, संरक्षक मंडल से देवी प्रसाद मिश्र, अशोक मिश्र, महासचिव समाज शेखर, उपाध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, राज नारायण मिश्र, सचिव राज किशोर मिश्र, डॉ लाल चंद्र जौहर, विधायक के स्थानीय प्रतिनिधि सूरज मिश्र, युवा नेता दीपक जायसवाल आदि सदस्यगण शामिल रहे।

वरिष्ठ महिला अभिभावक ने किया ध्वजारोहण

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह में मनाया गया। यहां वरिष्ठ महिला अभिभावक ब्रहमा देवी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कोविड 19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विद्यालय प्रबंध समिति एवं अभिभावकों को अधिकतम 50 की संख्या में ही विद्यालय बुलाया गया। ध्वजारोहण के उपरांत सभी बालिकाओं को शिक्षित करने हेतु अभिभावकों को बेटियों के जन्म पर खुशियां मनाने, बेटियों की शिक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए तन, मन, धन से समर्पित होकर स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में अपना पूर्ण योगदान देने की शपथ दिलाई गई। साथ ही हमारी बेटी हमारा अभिमान, प्रेरक प्रदेश की है पहचान का नारा दिया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अशोक कुमार उर्फ॰ मुनन यादव, प्रधानाध्यापक राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त मुहम्मद फरहीम, पितामह यादव, अजीत सिंह, आशा मिश्रा, अखिलेश सिंह, मनोज कुमार, फैय्याज अहमद, शैलेस, चौकीदार मनफूल आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ महिला अभिभावक ने किया ध्वजारोहण

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह में मनाया गया। यहां वरिष्ठ महिला अभिभावक ब्रहमा देवी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कोविड 19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विद्यालय प्रबंध समिति एवं अभिभावकों को अधिकतम 50 की संख्या में ही विद्यालय बुलाया गया। ध्वजारोहण के उपरांत सभी बालिकाओं को शिक्षित करने हेतु अभिभावकों को बेटियों के जन्म पर खुशियां मनाने, बेटियों की शिक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए तन, मन, धन से समर्पित होकर स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में अपना पूर्ण योगदान देने की शपथ दिलाई गई। साथ ही हमारी बेटी हमारा अभिमान, प्रेरक प्रदेश की है पहचान का नारा दिया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अशोक कुमार उर्फ॰ मुनन यादव, प्रधानाध्यापक राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त मुहम्मद फरहीम, पितामह यादव, अजीत सिंह, आशा मिश्रा, अखिलेश सिंह, मनोज कुमार, फैय्याज अहमद, शैलेस, चौकीदार मनफूल आदि मौजूद रहे।

हर बूथ पर हो भारतीय जनता पार्टी की निगाहः निषाद

प्रतापगढ़। आगामी विधानसभा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बूथ पर भारतीय जनता पार्टी ने निगाहें गड़ा दी है। प्रत्येक विधानसभा में सभी मंडलों में पदाधिकारी एवं बूथ कमेटी की सक्रियता की जांच शुरू हो गई है। सोमवार को विश्वनाथगंज विधानसभा के बूथ कमेटी की जांच के लिए बढ़नी मोड पर एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनामिका निषाद एवं सांसद संगम लाल गुप्ता ने बूथ कमेटियों की जानकारी ली। विश्वनाथगंज विधानसभा के मोहनगंज मंडल प्रभारी राजा अनिल प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि अनामिका निषाद का स्वागत करते हुए बताया कि उनके मंडल में समस्त बूथ कमेटी पूरी तरह सक्रिय है। पदाधिकारी हर जगह लोगों से संपर्क बनाए हुए हैं। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के मंडल प्रभारी बूथ प्रभारी एवं विभिनन्‍ अनुषांगिक संगठनों के भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया।

19 से 21 तक तक चलेगा जय भारत महासंपर्क अभियानः डा0 लालजी

इंदिरा भवन पर न्याय पंचायत व शहर अध्यक्ष की हुई बैठक

प्रतापगढ। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी द्वारा 19 से 21 अगस्त तक जय भारत महासंपर्क अभियान कार्यक्रम पूरे प्रदेश में करने जा रही है। इस अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर जिले के समस्त कांग्रेस जनों एवं ब्लॉक अध्यक्षों सहित सभी न्याय पंचायत अध्यक्षों व शहर अध्यक्ष की बैठक जिला अध्यक्ष डॉ0लालजी त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पनन्‍ हुई। बैठक में कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा हुई।जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रियंका गांधी जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाने का निणर्य लिया गया है। इसी कड़ी में 19 अगस्त से 21 अगस्त तक पार्टी के नेता और कार्यकर्ता प्रत्येक न्याय पंचायत की किसी एक ग्राम सभा में 75 घंटे यानी तीन दिन का प्रवास करेंगे। इसके लिए सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उक्त के संदर्भ में सभी कांग्रेस जनों को विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के बारे में उपाध्यक्ष डा0 वी0के0सिंह ने विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्र, डा0वी0के0सिंह, इरफान अली, राम लवट यादव, महेंद्र शुक्ल, वेदांत तिवारी, अमरावती गौतम, दिलीप गौतम, मो0 यूसुफ, शिव शंकर मिश्र, विवेक पांडेय, चरण सिंह यादव, मनीष सिंह, संजय मिश्रा, राजेन्द्र वर्मा, करुण पांडेय, शिव शंकर भुर्जी, हरिश्चन्द्र सरोज, प्रेम शंकर द्विवेदी, दीपक शुक्ल, सुरेश मिश्र, चंद्र नाथ शुक्ल, महेंद्र सिंह, शिवम मिश्र, अब्दुल रहमान, आकाश मिश्र, अवध राज यादव, दयाराम गिरी, सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

अटल जी की पुण्यतिथि पर खेल प्रतिभाओं का विधायक ने किया सम्मान

पुण्यतिथि पर याद किये गये पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी

प्रतापगढ़। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर सोमवार

को क्षेत्रीय विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने नगर पंचायत रानीगंज के बीठलपुर वार्ड में स्थापित अटल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

तत्पश्चात श्रद्धेय अटल की स्मृति में रानीगंज क्षेत्र के राष्ट्रीय स्तर के शैलेन्द्र प्रताप सिंह, शिवम सिंह, गोपी, आरती देवी, मीरा पटेल, नीरा पटेल, अंजली कनौजिया, राज्य स्तरीय अरविंद सिंह, नागे बहादुर, विनय कुमार, संत कुमार दो दर्जनों से अधिक युवा खेल प्रतिभाओं को मेडल, शील्ड, प्रमाण पत्र व अंगवस्त्र प्रदान कर अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति खेल रत्न सम्मान से सम्मानित करने का कार्य किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास एवं सबका सम्मान की नीति पर कार्य करते हुए जिस तरह से देश एवं प्रदेश का विकास हुआ उसी तरह रानीगंज क्षेत्र को भी लगभग 1100 करोड़ की विकास परियोजनाओं एवं जन कल्याणकारी योजनाएं प्रदान कर क्षेत्र और क्षेत्रवासियों को गौरवान्वित करने के लिए मोदी एवं योगी का हृदय से धन्यवाद है। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा गुप्ता, ईओ राजभान शुक्ल, मण्डल अध्यक्ष प्रशांत शुक्ल, नीरज ओझा, शिवम ओझा, बद्री गुप्ता, गिरीश गोलू, रोहित बाबू, हितेश त्रिपाठी,विक्रम सिंह, विवेक शर्मा समेत सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रक पर लदे बीस गोवंश को बरामद करने मे मिली कामयाबी

आरोपियो के खिलाफ केस, एक आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

लालगंज प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने एक और बडी सफलता हासिल करते हुए सोमवार की सुबह अवैध तस्करी को जा रहे ट्रक मे लदे बीस गोवंश को आरोपी सहित धर दबोचा। हालांकि पांच आरोपी मौके से फरार हो गये। कोतवाल रणजीत सिंह भदौरिया के निर्देश पर दरोगा रामानुज यादव तथा दरोगा उमेश पाण्डेय कस्बे मे गश्त पर निकले थे। सोमवार की भोर करीब पांच बजे जलेशरगंज मोड पर पुलिस ने एक ट्रक को संदिग्ध देख रूकने का इशारा किया। ट्रक चालक ने भागने का प्रयास किया किंतु पुलिस टीम ने साहसिक ढंग से पीछा कर ट्रक को दबोच लिया। ट्रक की तलाशी लेने पर बीस गोवंश देख पुलिस आवाक रह गयी। पकडे गये आरोपी कौशाम्बी जिले के थाना चरवा महगांव निवासी गुडडू अहमद पुत्र इकबाल ने बताया कि इन मवेशियों को कोतवाली के सराय रायजू सिंह से लोडकर वह लोग बिहार मे बेचने को ले जा रहे थे। वहीं मौके का फायदा उठाकर बमरौली धूमनगंज प्रयागराज का फुजेल अहमद व तीन अन्य फरार हो गये। पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ गोवंश अधिनियम तथा पशु क्रूरता अधिनियम का केस दर्ज किया है। वहीं पकडे गये आरोपी गुडडू अहमद को जेल भेज दिया।

तेज रफ्तार पुलिस की जीप और कार में टक्कर, कार क्षतिग्रस्त

प्रतापगढ़। तेज रफ्तार पुलिस और जीप की कार में टक्कर होने से कार क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना के बाद पुलिसकर्मी जीप समेत मौके से भाग निकले। इस दौरान कार सवार बालबाल बच गया। बताया जाता है कि टक्कर मारने वाली पुलिस जीप हथिगवां थाने की है। कार चालक तबरेज कुण्डा के सुजौली गांव का निवासी है। यह घटना मानिकपुर थाने के पूरे धनऊ चौराहे की है।

सम्पादकीय

आगे की चिंता करें

विपक्ष का कहना है कि सिलेक्टिव विडियो जारी किए गए हैं। दो पक्षों के बीच जब इस तरह की स्थिति बन जाए तो निष्पक्ष तस्वीर उभरने की संभावना धूमिल हो जाती है। लोकतंत्र में ऐसी स्थिति को हर हाल में टालना चाहिए। यह विपक्ष के लिए वाकई आत्मालोचना का अवसर है। निरंतर हंगामे और शोर-शराबे के बीच संसद के मॉनसून सत्र का तय समय से पहले ही समापन हो गया, लेकिन इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जो तल्खी आई, वह समाप्त नहीं हो रही है। हालांकि इसी सत्र के दौरान दोनों सदनों में सरकार और विपक्ष के बीच दुर्लभ किस्म की एकजुता भी दिखी। ओबीसी सूची बनाने के राज्यों के अधिकार से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर दोनों सदनों में पाटिर्यों का भेद समाप्त हो गया था। लेकिन राज्यसभा में सत्र के आखिरी दिन इसके ठीक बाद जब सरकार इंश्योरेंस बिल लेकर आई तो विपक्ष बौखला उठा। उसका कहना था कि यह बिल लाने की बात तो तय नहीं थी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों की ओर से ऐसा हंगामा हुआ कि सदन में मार्शल बुलाने पड़े और फिर सदन में वह दृश्य उपस्थित हुआ, जो कभी नहीं हुआ था। अब जहां सरकार कह रही है कि विपक्षी सदस्यों ने मार्शलों के साथ मारपीट की, वहीं विपक्ष का आरोप है कि बाहरी लोगों को मार्शल की ड्रेस पहनाकर सदन में भेजा गया और उनसे विपक्षी सांसदों को पिटवाया गया। इस तरह के आरोप सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष ने कभी एक-दूसरे पर नहीं लगाए थे। सचाई स्पष्ट करने के लिए राज्यसभा सचिवालय की ओर से आखिरी घंटे की कार्यवाही का मिनट-दर मिनट ब्योरा विडियो के रूप में पेश किया गया, लेकिन उससे भी बात नहीं बनी।

विपक्ष का कहना है कि सिलेक्टिव विडियो जारी किए गए हैं। दो पक्षों के बीच जब इस तरह की स्थिति बन जाए तो निष्पक्ष तस्वीर उभरने की संभावना धूमिल हो जाती है। लोकतंत्र में ऐसी स्थिति को हर हाल में टालना चाहिए। यह विपक्ष के लिए वाकई आत्मालोचना का अवसर है। पूरे सत्र के दौरान जिस तरह से वह एक मुद्दे को लेकर आसमान सिर पर उठाए रहा, वह उसकी राजनीति के लिए कितना फायदेमंद हुआ या आगे हो सकता है, इस पर भी उसे गंभीरता से सोचना चाहिए। आखिर उसका मकसद क्या था? सदन में तीखी बहस हो या हंगाामा, शोर-शराबा किया जाए या कामकाज न चलने दिया जाए- इन सबके पीछे विपक्ष का उद्देश्य किसी खास मुद्दे की तरफ लोगों का ध्यान खींचना ही होता है। अगर इस बार भी यही बात थी तो फिर ऐसी नौबत आखिर क्यों और कैसे आ गई कि सदन में मार्शल बुलाने पड़े? निश्चित रूप से विपक्ष को देखना चाहिए कि उसका विरोध कब और कैसे हदों को पार करने लगा। इसका मतलब यह नहीं कि इस मामले में सत्ता पक्ष पूरी तरह पाक-साफ है। लोकतंत्र जिद से नहीं चलता। देखना पड़ता है कि कब विपक्ष के विरोध को अनदेखा करना है और कब हाथ पकड़ कर उसे अपने साथ कर लेना है। विपक्ष को मना लेने की क्षमता का प्रदर्शन करने में सरकार निश्चित रूप से चूकी है। दोनों पक्ष सही सबक लें तो लोकतंत्र की आगे की यात्रा बेहतर बनाई जा सकती है।

जनता नहीं, नेताओं की हिम्मत पस्त हो गयी थी इसीलिए खंडित भारत स्वीकार कर लिया

राकेश सैन

भारत क्यों टूटा? हिन्दुओं की दुर्बलता के चलते अलगाववादी मुसलमानों की नीतियां सफल हुईं। मुसलमानों की ये मनोवृत्तियां तो पूर्वगत एक हज़ार साल से मौजूद थीं लेकिन वे कुछ नहीं कर पाईं। जिस दिन हम हिन्दू दुर्बल हुए उस दिन वे सफल हुए। देश स्वतन्त्रता के 75वें साल में प्रवेश करने जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस अवसर पर अनेक योजनाएं घोषित की हैं और इस मौके पर देश भर में अनेक स्थानों पर कार्यक्रम, गोष्ठियां, विचार चर्चाएं होने वाली हैं। देश पौनी सदी के सफर का मूल्यांकन करेगा, इसी दौरान हमें यह भी सोचना है कि हमें आजादी के 75 साल होने के साथ-साथ विभाजन के भी इतने ही साल हो गए हैं। क्या 74 साल पहले हुआ विभाजन अब स्थाई हो गया या फिर इसका उन्मूलन भी हो सकता है ? देश के सामने यह प्रशन खड़ा होना चाहिए, अखण्ड भारत की चर्चा केवल खण्डित भारत की भूमि में ही नहीं बल्कि उन क्षेत्रों में भी होनी चाहिए जो हमसे बिछड़ गए हैं। पहले आओ जानें कि अखण्ड भारत क्या है ? आजकल भारत कहने पर भी एक विशेषण लगाना पड़ता है 'अखण्ड भारत'। जैसे 'आदमी है' इतना कहना पूरा नहीं पड़ता, 'जिंदा आदमी है' यह कहना पड़े। वैसे ही भारत कहने के बाद 'अखण्ड भारत'। दूसरा शब्द है 'खंडित भारत'। सामान्य लोगों की समझ में आए, इसलिए हम इस प्रकार के शब्द प्रयोग करते हैं। लेकिन भारत के विखंडन की बात वही मान सकते हैं जो भारत को केवल मात्र एक भौगोलिक इकाई मानते हैं। भारत एक भौगोलिक इकाई मात्र नहीं है। वेदों में वर्णन है कि 'हिमालय अपनी दोनों बाहु फैलाकर सारे भूमण्डल को अपने सन्हेपाश में बान्ध रहा है यानी हिमालय के दोनों ओर पूर्व और पश्चिम में जाएंगे तो उसकी भुजाएं दूर जाकर दक्षिण में मुड़ती हैं और सागर को स्पर्श करती हैं वहां तक की भूमि भारत है, भारत माता है। हम कहते हैं भारत माता हमको बनाने वाली है, सब-कुछ उसका दिया हुआ है। क्या यह मात्र एक भौगोलिक इकाई है ? हमारे लिए भारत ज़मीन का टुकड़ा नहीं है। हमारे लिए वह माता है और यह केवल तर्क की बात नहीं है। हमारे यहां महापुरुषों की परम्परा है जो जीवंत राष्ट्र को अनुभव करते हैं। यह जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है। स्वामी रामतीर्थ कहते थे, 'जब मैं चलता हूँ तो भारत चलता है।' वह अपने शरीर के अंगों में भारत के अंगों का अनुभव करते थे। जिस दिन से भारत का विभाजन हुआ उस दिन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक श्री गुरुजी जी के दोनों कन्धों में जो वेदना शुरू हुई वह आखिर तक बनी रही। यह कोई संयोग नहीं है कि वह कंधे का दर्द 15 अगस्त, 1947 से शुरू हो और अन्त तक कायम रहे। मातृभूमि से जो मन का तादात्म्य हुआ, उसके चिन्मय चेतनस्वरूप का अनुभव होने के नाते उसका निजी दुख बन जाता है। इस बात के कोई इन्कार नहीं कर सकता कि मुस्लिम लीग की गुण्डागर्दी के आधार पर और हमारी नादानी के चलते मातृभूमि का विभाजन हुआ। विभाजन का कारण–मुस्लिम मानसिकता है। जिस प्रकार वे अपने-आप को अलग मानकर इस देश में रहते थे। वही कारण था विभाजन का, लेकिन मुझे लगता है कि भारत विभाजन का कारण हिन्दुओं की कमज़ोरी है। आज हम पर जो आक्रमण हो रहे हैं ये नए हैं क्या ? हज़ारों साल से हमारी लड़ाई चल रही है। लड़ाइयाँ होती रहती हैं, जीत-हार चलती रहती है लेकिन हमने कभी हार नहीं मानी। जीत-हार होने के बाद भी हमने लड़ना नहीं छोड़ा। हमने हार नहीं मानी थी। तो ऐसा क्या हुआ कि 15 अगस्त, 1947 को हमने मान लिया कि हम हार गए। यह जो भारत है, काबुल-जाबुल के पश्चिम से चिन्हवत नदी के पूर्व तक और तिब्बत के चीन की तरफ ढलान से श्रीलंका के दक्षिण तक की भूमि हमारी अखण्ड मातृभूमि है। उसका सौदा नहीं हो सकता। उसका बंटवारा नहीं हो सकता, परन्तु इस बात को हमने भुला क्यों दिया ? शान्ति के लिए ? विभाजन से शान्ति मिलती है क्या ? विभाजन किसी समस्या का उत्तर होता है क्या ? शान्ति के लिए विभाजन स्वीकार किया और उसी विभाजन के कारण भयंकर हिंसा हुई। अगर हम विभाजन नहीं होने देते तो उससे जो खून-खराबा होता उस से कई हजार गुणा

ज्यादा हिंसा विभाजन के कारण हुई। विभाजन के बाद भी चार लड़ाइयां हुईं और अभी तक तकरार चल रही है। विभाजित भारत में भी हिन्दुओं और मुसलमानों के मन में परस्पर अविश्वास बना हुआ है। विभाजन किसी समस्या का उत्तर नहीं। क्यों हमारा दम फूल गया था ? आज़ादी की लड़ाई लड़ने वाले अपने नेताओं ने अपना दम बीच में क्यों छोड़ दिया ? कारण यही कि उनमें राष्ट्र जीवन की स्पष्ट कल्पना नहीं थी। 1876 में अफगानिस्तान भारत से अलग हुआ। 1876 से आज तक वहां का इतिहास देखिए। क्या अफगानिस्तान सुखी रह सका है? कोई भी अंग लीजिए, जो भारत से अलग हुआ, आज उसकी हालत खराब है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, तिब्बत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, क्या ये सब सुखी हैं ? प्रशन है कि भारत का अंग भारत से क्यों कटता है ? उत्तर है कि जब देश का कोई भाग हिन्दू भाव से हटता है। बाकी और भी कई कारण होंगे। कई प्रकार का इतिहास उस समय घटा होगा, लेकिन एक बात समान है-

हिन्दू भाव को जब जब भूले, आई विपदा महान।
भाई टूटे धरती खोई, मिटे धर्म संस्थान।

हिन्दुओं की संख्या घटी या हिन्दुत्व के बारे में जागृति कम हुई तो देश बंटा। हम जात-पात में बंट गए और फिर चौहानों-राठौरों के झगड़े में गौरी ने बाज़ी जीत ली। यह दर्दनाक इतिहास हम क्यों देखते हैं ? हिन्दू भाव को भूलते हैं तब देखते हैं। और यह हिन्दू भाव क्या है ? हिन्दू भाव है 'विविधता में एकता'। इसका अर्थ है कि आपका भगवान, आपकी भाषा, रीति-रिवाज, खान-पान अलग होंगे फिर भी हम लोग साथ-साथ रह सकते हैं, क्योंकि एक ही सत्य का वर्णन हम लोग अलग-अलग तरीके से करते हैं। आपके सत्य का मैं सम्मान करता हूं और मेरे सत्य पर मैं अटल रहता हूँ। आप भी मेरे सत्य का उतना ही सम्मान करो और अपने सत्य पर अटल रहो तो झगड़ा किस बात का ? प्रश्न है कि हिन्दुत्व की उतकृष्ट विचारधारा होने के बावजूद अपना देश बंटा क्यों ? जवाब है कि देश की जनता की नहीं, लड़ने वाले सेनानियों की हिम्मत पस्त हो गई थी। खण्डित भारत हमारी उसी दुर्बलता का परिणाम है। हमने उन लोगों का कहना कैसे मान लिया जो कहते थे हमारा ही सही है, बाकी सब गलत हैं। एक होने के लिए एकरूपता आवश्यक है। विविधता में एकता नहीं चलती। हमने कैसे इसको मान लिया ? इस जीवन का उपभोग ही सब कुछ है और उसके लिए चाहे जो करो, भूमि को जीतो, दूसरों की महिलाओं का अपमान करो। ऐसा जिनका आचरण था ऐसे लोगों के सामने हमने सिर क्यों झुकाया ? उनके हाथों में हमने अपने पश्चिम व पूर्व के भाइयों को कैसे दे दिया ? विभाजन के समय डॉ. अम्बेडकर कह रहे थे कि यदि देश का बंटवारा करना ही है तो पहले हिन्दुस्थान में सब हिन्दुओं को इधर ले आओ और सब मुसलमानों को उधर भेजो, नहीं तो खूनखराबा होगा। हमारे नेताओं ने नहीं माना और खूनखराबा हुआ। मोल-भाव में जितना मनवा सकते थे, उतना हमने ले लिया; अगले साठ साल लड़ने का हमारा दम रहता तो क्या होता ? साठ साल की ज़रूरत नहीं थी। पूजनीय श्री गुरुजी ने गांधीजी को बताया था कि विभाजन के लिए आप छह महीना 'हां' मत भरिए। बाकी हम देख लेंगे। छह महीने की बात थी। पर हमारे नेताओं ने दम छोड़ दिया। उसका ही यह परिणाम है। भारत के कटे सभी अंग स्वयं भी दुख में जी रहे हैं और भारत के लिए भी सिर-दर्द बने हैं। भारत क्यों टूटा? हिन्दुओं की दुर्बलता के चलते अलगाववादी मुसलमानों की नीतियां सफल हुईं। मुसलमानों की ये मनोवृत्तियां तो पूर्वगत एक हज़ार साल से मौजूद थीं लेकिन वे कुछ नहीं कर पाईं। जिस दिन हम हिन्दू दुर्बल हुए उस दिन वे सफल हुए। हिन्दुओं को संख्यात्मक और गुणात्मक दृष्टि से दुर्बल नहीं रहना चाहिए। हिन्दुकुश पर्वत के उस पार से या तिब्बत के उस पार से या चिन्हवत नदी के उस पार से जो एकाधिकारवादी आसुरी मनोवृत्तियां है, उनके आक्रमण का सामना करने के लिए हिन्दू को तो सुदृढ़ होकर खड़ा होना ही होगा। पाकिस्तान सैटल फैक्ट नहीं, सैटल फैक्ट वह होता है जिसे भगवान ने बनाया है। गुण्डागर्दी के आगे घुटने टेक कर विभाजन स्वीकार कभी नहीं करने के सत्य को हम भूल गए। खून खराबे के भय से असत्य को मान लिया। अब जो हो रहा है उसे पिछले 74 सालों से देख रहे हैं। सत्य की धर्म भूमि पर आरूढ़ होकर निभ्र्य रूप से भारत माता की जय का उद्‌घोष करते हुए हिन्दू समाज जीने लगे और संपूर्ण अखण्ड भारत के भू-भागों में और समाजों में इस प्रकार की भूमिका बने तो अखण्ड भारत का सत्य अवतरित होगा। यह भारत सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए और संपूर्ण दुनिया के लिए भी अच्छा होगा। देश उस दिन वास्तविक स्वतन्त्रता का अनुभव कर पाएगा।

तंबाकू जनित कैंसर बिगाड़ रहा सरकारी खजाने की सेहत

डॉ. पंकज चतुर्वेदी

तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के कारण होने वाली मौत की तादाद में खतरनाक बढ़ोतरी ने सरकार और खास तौर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की चिंताओं को बढ़ा दिया है क्योंकि कैंसर के मरीजों के इलाज पर सरकार का खर्च कई गुना बढ़ गया है। गुटखा, बीड़ी, सुपारी, सिगरेट जैसे तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाली बीमारी, खासकर कैंसर के कारण देश में हर साल 13 लाख से अधिक मौतें हो रही हैं। तंबाकू उपयोग करने वालों की संख्या देश के स्वास्थ्य ढांचे पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। साथ ही सरकारी खजाने की सेहत को भी नुकसान पहुंचा रही है जो पहले से ही मुश्किलों में घिरी हुई है। विडंबना यह है कि जो गुटखा हर जगह आसानी से सिर्फ 2 रुपये में उपलब्ध है उसके सेवन से होने वाले मुंह के कैंसर के इलाज पर सरकार प्रति मरीज 2 लाख रुपये खर्च कर रही है। निजी अस्पतालों में मरीजों को यही खर्च दो से तीन गुना ज्यादा करना पड़ता है। सवाल है कि इतनी सारी मौतों और खर्च के बावजूद तंबाकू और इसके उत्पाद इतनी आसानी से भारत में क्यों उपलब्ध हैं। जबकि सभी जानते हैं कि यह कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है। यह एक प्रासंगिक मुद्दा है जिस पर हमें तत्काल गहन चिंतन कर उसका हल निकालने की आवश्यकता है। इसके लिए संबंधित विभागों और एजेंसियों को आगे आना चाहिए और तंबाकू व इससे बने उत्पादों को एक वर्गीकृत उत्पाद (क्लासिफाइड प्रोडक्ट) घोषित करना चाहिए ताकि अत्यधिक खतरनाक उत्पाद के रूप में इन्हें सिर्फ प्रतिबंध के साथ ही बेचा जा सके। तंबाकू की खेती से जुड़े किसानों के हितों की रक्षा करने की भी आवश्यकता है क्योंकि 'तंबाकू उद्योग की महा-मछलियां' किसानों को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करती हैं और अपने निहित स्वार्थ के लिए उन्हें ही ढाल के रूप में पेश करती हैं। सरकारी नीतियों की खामियों का लाभ उठाने में वे माहिर हैं। गुटखा उद्‌योग के एक पूर्व सप्लायर विजय तिवारी ने इस बारे में चौंकाने वाला रहस्य उजागर किया है। उनके मुताबिक, प्राकृतिक तत्वों के नाम पर ऐसे अधिकांश उत्पाद में जहरीले रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है जिनका विदेशों से आयात होता है। विजय तिवारी कई वर्षों तक गुटखा इंडस्ट्री को कच्चे माल की सप्लाई करते रहे और खुद मुंह के कैंसर से पीडि़त हो गए। यह जानलेवा बीमारी होने के बाद उन्होंने इस धंधे से किनारा कर लिया और दूसरा कारोबार करने लगे। अब वे गुटखा उद्‌योग की शातिर हरकतों का खुलासा करके तंबाकू उपभोक्ताओं को इसे छोड़ने में मदद कर रहे हैं।

टाटा मेमोरियल सेंटर की ओर से 'भारत में मुंह के कैंसर के इलाज पर खर्च' विषय पर किए गए एक ताजा अध्ययन में पता चला है कि मुंह के कैंसर के एडवांस स्टेज के इलाज का औसत खर्च 2,02,892 रुपये है जो शुरुआती चरण की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। मुंह के कैंसर के शुरुआती चरण के इलाज का खर्च 1,17,135 रुपये है। अध्ययन में यह भी पाया गया है कि मुंह के कैंसर से पीड़ित मरीज जिनका किसी तरह का इलाज चल रहा होता है उनका रोजगार छूट जाता है और वे अपने परिवार व मित्रों पर आर्थिक बोझ बन जाते हैं। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा), 2003 में प्रस्तावित संशोधन स्वागत योग्य कदम है। यह कानून वर्ष 2003 में बनाया गया था। इसके जरिये तंबाकू उद्‌योग को नियंत्रित करने की कोशिश की गई थी मगर तंबाकू उद्योग वायरस की तरह खुद को परिवर्तित करता गया और आज बहुत अधिक शक्तिशाली हो गया है। इसलिए हमारे कानूनों को भी तंबाकू उद्योग के बदलाव के साथ खुद को बदलने की जरूरत है। इस लिहाज से कोटपा में संशोधन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि कानून नए उपभोक्ताओं की रक्षा करने, मौजूदा उपभोक्ताओं को प्रेरित करने और इसका उल्लंघन करने वाले लोगों को दंडित करने के लिए होना चाहिए। सरकार को विशेषज्ञों की सलाहों पर ध्यान देना चाहिए और तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध के कानून को सख्त बनाना चाहिए। भारत में मुंह के कैंसर के 90 प्रतिशत मामले तंबाकू, सुपारी और शराब के सेवन के कारण होते हैं। हर साल मुंह के कैंसर के लगभग एक लाख नए मामले सामने आते हैं और सालाना लगभग 50 हजार रोगियों की मृत्यु हो जाती है। भारत के कैंसर परिदृश्य की बात करें तो यहां मुंह के कैंसर के मामले काफी ज्यादा हैं जो पुरुषों में सबसे आम है। टाटा मेमोरियल अस्पताल में हर साल इलाज के लिए आने वाले लगभग 60 हजार कैंसर रोगियों में से लगभग 20 प्रतिशत मुंह के कैंसर के हैं। सच्चाई यह है कि भारत में 27 करोड़ लोग तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ग्लोबल एडल्ट सर्वे के अनुसार, 96 प्रतिशत लोगों को इस बात की जानकारी है कि तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तंबाकू उद्‌योग से सहानुभूति रखने वालों का दावा है कि यह उद्‌योग सरकार की आमदनी को बढ़ाने में मदद करता है। जबकि यह दावा पूरी तरह से निराधार है क्योंकि वर्ष 2014 में तंबाकू उत्पादों पर टैक्स से सरकार ने लगभग 11,000 करोड़ रुपये कमाए थे, लेकिन उसी वर्ष कैंसर रोगियों के इलाज पर एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किया गया था। यह सच है कि सरकार तंबाकू उपभोक्ताओं की संख्या को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन सिस्टम की खामियां तंबाकू उत्पाद निर्माताओं के लिए वरदान साबित हो रही हैं। वे अपने उत्पादों को बिना किसी डर के बाजार में बेच रहे हैं। जब सरकार अत्यधिक संक्रामक कोरोना वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए संपूर्ण लॉकडाउन कर सकती है, तो वही सरकार तंबाकू के इस्तेमाल को नियंत्रित करने और हर साल इससे होने वाली 13 लाख से अधिक मौतों को रोकने के लिए कड़े कदम भी उठा सकती है। कोविड-19 के मुकाबले अब भी तंबाकू से होने वाली मौतें कई गुना ज्यादा हैं।

रामप्पा मंदिर के जरिये भारत की सनातन संस्कृति की चमक फिर विश्व भर में फैली

डॉ. नीलम महेंद्र

रामप्पा मंदिर का विश्व धरोहर बनने का सफर 800 साल लंबा है जो शुरू हुआ था 1213 में जब तेलंगाना के तत्कालीन काकतीय वंश के राजा गणपति देव के मन में एक ऐसा शिव मंदिर बनाने की प्रेरणा जागी जो सालों साल उनकी भक्ति का प्रतीक बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहे। भारत ने एक बार फिर विश्व को अपनी ओर आकर्षित ही नहीं किया बल्कि अपनी संस्कृति और कला का लोहा भी मनवाया। तेलंगाना के रामप्पा मंदिर को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया जाना एक तरफ भारत के लिए गौरव का पल था तो विश्व के वैज्ञानिकों के लिए एक अचंभा भी था। दरअसल आज से लगभग 800 साल पहले निर्मित रामप्पा मंदिर सिर्फ एक सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं है बल्कि ज्ञान और विज्ञान से परिपूर्ण भारत के गौरवशाली अतीत का जीवित प्रमाण भी है। यह पत्थरों पर उकेरा हुआ एक महाकाव्य है। वो महाकाव्य जो 800 सालों से लगातार शान से भारत की वास्तुकला और विज्ञान की गाथा गा रहा है। और अब तो इसके सुर विश्व के कोने-कोने को मुग्ध कर रहे हैं। रामप्पा मंदिर का एक मंदिर से विश्व धरोहर बनने का यह सफर लगभग 800 साल लंबा है जो शुरू हुआ था 1213 में जब तेलंगाना के तत्कालीन काकतीय वंश के राजा गणपति देव के मन में एक ऐसा शिव मंदिर बनाने की प्रेरणा जागी जो सालों साल उनकी भक्ति का प्रतीक बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहे। यह जिम्मेदारी उन्होंने सौंपी वास्तुकार रामप्पा को। और रामप्पा ने भी अपने राजा को निराश नहीं किया। उन्होंने अपने राजा की इच्छा को ऐसे साकार किया कि राजा को ही मोहित कर लिया। इतना मोहित कि उन्होंने मंदिर का नामकरण रामप्पा के ही नाम से कर दिया। आखिर राजा मोहित होते भी क्यों नहीं, रामप्पा ने राजा के भावों को बेजान पत्थरों पर उकेर कर उन्हें 40 सालों की मेहनत से उसे एक सुमधुर गीत जो बना दिया था। जी हाँ, रामप्पा ने 40 सालों में जो बनाया था वो केवल मंदिर नहीं था, वो विज्ञान का सार था तो कला का भंडार था। यह कलाकृति एक शिव मंदिर है जिसे रुद्रेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। किसी शिल्पकार के लिए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है कि उसके द्वारा बनाया गया मंदिर उसके नाम से जाना जाए। आज भी यह विश्व का शायद इकलौता मंदिर है जो अपने वास्तुकार के नाम पर जाना जाता है। मशहूर खोजकर्ता मार्को पोलो ने जब इसे देखा था तो इसे ठमंदिरों की आकाशगंगा का सबसे चमकीला सिताराठ कहा था।

दअरसल जब इस मंदिर का अध्ययन किया गया तो वैज्ञानिकों और पुरातत्वेत्ताओं के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया कि इसका कला पक्ष भारी है या इसका तकनीकी पक्ष। सबसे बड़ा प्रशन यह था कि यह चमत्कार है या विज्ञान की, 17वीं सदी में जब इस इलाके में 7.7 से 8.2 रेक्टर का भीषण भूकंप आया था जिसके कारण इस मंदिर के आसपास की लगभग सभी इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, लेकिन 800 साल पुराना यह मंदिर ज्यों का त्यों बिना नुकसान के कैसे खड़ा रहा इस रहस्य को जानने के लिए मंदिर से एक पत्थर के टुकड़े को काट कर जब उसकी जाँच की गई तो पत्थर की यह विशेषता सामने आई कि वो पानी में तैरता है! राम सेतु के अलावा पूरे विश्व में आजतक कहीं ऐसे पत्थर नहीं पाए गए हैं जो पानी में तैरते हों। यह अभी भी रहस्य है कि ये पत्थर कहाँ से आए क्या रामप्पा ने स्वयं इन्हें बनाया था आज से 800 साल पहले रामप्पा के पास वो कौन-सी तकनीक थी जो हमारे लिए 21वीं सदी में भी अजूबा है

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इस मंदिर को उसका यह स्वरूप देने से पहले रामप्पा ने ऐसा ही एक छोटा-सा मंदिर बनाया था जिसे हम आज के दौर में प्रेजेंटेशन मॉडल कहते हैं। इसके बाद ही रामप्पा ने इस रूद्रेश्वर मंदिर का निर्माण किया। छह फुट ऊँचे सितारे के आकार के प्लेटफार्म पर बनाए गए 1000 पिलर वाले इस मंदिर की नींव सैंडस्टोन तकनीक से भरी गई थी जो भूकम्प के दौरान धरती के कम्पन की तीव्रता को कम करके इसकी रक्षा करती है। इसके अलावा मंदिर की मूतिर्यों और छत के अंदर बेसाल्ट पत्थर प्रयोग किए गए हैं। अब यह वाकई में आश्चर्यजनक है कि वो पत्थर जिसे डायमंड इलेक्ट्रॉनिक मशीन से ही काटा जा सकता है वो भी केवल एक इंच प्रति घंटे की दर से! कल्पना कीजिए आज से 800 साल पहले भारत के पास केवल ऐसी तकनीक ही नहीं थी बल्कि कला भी बेजोड़ थी! इस मंदिर की छत पर ही नहीं बल्कि पिलरों पर भी इतनी बारीक कारीगरी की गई है कि जो आज के समय में भी मुश्किल प्रतीत हो रही है क्योंकि उन पत्थरों पर उकेरी गई कलाकृतियों की कटाई और चमक देखते ही बनती है। कला की बारीकी की इससे बेहतर और क्या मिसाल हो सकती है कि मूर्ति पर उसके द्वारा पहने गए आभूषण की छाया तक उकेरी गई है। आज 800 सालों बाद भी इन मूतिर्यों की चमक सुरक्षित है। इससे भी बड़ी बात यह है कि पत्थरों की यह मूतियाँ थ्री डी हैं। शिव जी के इस मंदिर में जो नन्दी की मूर्ति है वह खड़ी मूर्ति है जो इस प्रकार से बनाई गई है कि ऐसा लगता है कि नन्दी बस चलने ही वाला है। इतना ही नहीं इस मूर्ति में नन्दी की आंखें ऐसी हैं कि आप किसी भी दिशा से उसे देखें आपको लगेगा कि वो आपको ही देख रहा है। मंदिर की छत पर शिवजी की कहानियां उकेरी गई हैं तो दीवारों पर रामायण और महाभारत की। मंदिर में मौजूद शिवलिंग के तो कहने ही क्या! वो अंधेरे में भी चमकता है। आज एक बार फिर भारत की सनातन संस्कृति की चमक विश्व भर में फैल रही है।

तालिबान की जीत सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र की भी सबसे बड़ी हार है

अशोक मधुप

आज अफगानिस्तान जल रहा है। पूरी तरह बरबाद होने के कगार पर है। तालिबानी मदरसे उड़ा रहे हैं। लड़कियों और औरतों का अपहरण कर उनसे अपने लड़ाकों के निकाह करा रहे हैं। स्कूल तोड़े और जलाए जा रहे हैं। अफगानिस्तान और तालिबान के संघर्ष का परिणाम यह है कि सड़कों पर लाशें बिछी हुई है। कुत्ते और जानवर उन्हें नोच-नोच कर खा रहे हैं। अमेरिका के मददगार के शक में लोगों का कत्ले-आम जारी है। पूरी दुनिया तमाशा देख रही है। ना दुनिया के लंबरदार कहे जाने वाले कहीं नजर आ रहे हैं और ना संयुक्त राष्ट्र महासभा में वीटो पावर रखने वाले देश नजर आ रहे हैं। अफगानिस्तान से दुनिया का सबसे बड़ा लंबरदार अमेरिका भाग रहा है। अमेरिका को भागते देख तालिबन के हौसले बुलंद हैं। अमेरिकी सेना की मौजूदगी के समय बंकरों में छिपे रहने वाले तालिबानी लड़ाकों के हौसले बुलंद हैं। अमेरिका के अफगानिस्तान में रहने के दौरान उसके मददगार अफगानियों को तालिबान चुन-चुन कर कत्ल कर रहा है। पत्रकार, कलाकार और साहित्यकारों की हत्याएं हो रही हैं। जनता जान बचाकर भाग रही है। किसी को कोई चिंता नहीं। इतना सब होने के बाद भी अफगानिस्तान की सीमा के सटे दुनिया के दो बड़े लंबरदार चीन और रूस खामोश हैं। अफगानिस्तान एक जंगलराज में तब्दील होकर रह गया है। पूरी दुनिया अफगानिस्तान की बरबादी का तमाशा देख रही है। हालत इतने खराब है कि अफगानिस्तान सरकार समर्पण की हालत में पहुंच गई है। वह तालिबान से सरकार में गठबंधन की पेशकश करने लगी है। आज संयुक्त राष्ट्र महासभा एक ऐसा संगठन बनकर रह गया है जो कुछ देश के हाथों की कठपुलती है। न अपनी ताकत का प्रयोग कर सकता है ना अपनी क्षमता का। संयुक्त राष्ट्र महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज के हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में वह सक्षम नहीं है। म्यांमार में सेना का जुल्म कायम है। चीन में उइगर मुसलमानों पर जुल्म जग जाहिर हैं। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। सरेआम आतंकवादियों को प्रशिक्षण दे रहा है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र इन्हें रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहा। अफगानिस्तान में शांति के लिए कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं। क्यों नहीं संयुक्त राष्ट्र अपने नेतृत्व में शांति स्थापित करने के लिए अफगानिस्तान में सभी देशों की सेना भेजता। संयुक्त राष्ट्र संघ तमाशा देख रहा है। अफगानिस्तान जल रहा है। वह बंशी बजा रहा है। इस पर सोचा जाना चाहिए। विचार किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए बना संयुक्त राष्ट्र संघ अब सफेद दांत का हाथी बन कर रह गया। वह सिर्फ दिखाने मात्र को है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के गठन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व में शांति कायम करना है। आज के हालात को देखते हुए लगता है कि अपने सबसे बड़े कार्य का दायित्व निभाने में वह सक्षम नहीं है। तालिबान की गुंडागर्दी पर वह जुबान खोलने को तैयार नहीं। कोरोना से दुनिया में हुई लाखों मौत के सूत्रधार को वह नहीं खोज पाता। दुनिया में शांति स्थापना और निरपराध का कत्ल रोकने की उसकी क्षमता नहीं, फिर ऐसे संयुक्त राष्ट्र की क्या जरूरत है। हर एक को अपनी डफली अपना राग अलापना है तो क्या फायदा। जब ताकत की ही पूजा होनी है तो इस फालतू के बोझ को क्यों झेला जाए? अब समय आ गया है कि एक बार फिर से सोचा जाए किस संयुक्त राष्ट्र संघ क्यों? इसका क्या लाभ? क्यों इसका बोझ पूरी दुनिया ढोए? कैसे बर्दाश्त किया जाए इसे? क्यों कुछ ही देशों के हाथ में वीटो पावर दे कर के उन्हें दुनिया के सामने नंगा नाच नाचने की अनुमति दी जाए। आज जरूरत आ गई है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की उपयोगिता पर विचार किया जाए। इसे उपयोग उपयोगी बनाने पर कार्य किया जाए। खड़ा किया जाए ऐसा ढांचा कि एक देश दूसरे देश का मददगार बने। मुसीबत में उसके साथ खड़े होकर उसकी रक्षा कर सकें। ऐसा नहीं कि आपदा के समय सिर्फ तमाशा देखें। दुनिया के सभी देश बराबर हैं तो पूरी दुनिया के पांच देशों को ही वीटो पावर का अधिकार क्यों? इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। यह प्रजातंत्र है। संयुक्त राष्ट्र संघ में डिक्टेटरशिप लागू नहीं है जो किसी का निणन्य फाइनल होगा। आज के हालात में सामूहिकता बढ़ाने, सामूहिक निणन्य पर चलने, सामूहिक विकास पर सोचने की जरूरत है। आज एक ऐसे संगठन की दुनिया को जरूरत है जो निष्पक्ष और तटस्थ होकर के पूरी दुनिया में शांति स्थापना के लिए काम कर सके। ऐसे संगठन की जरूरत नहीं है जिसमें चार या पांच दादाओं का ही निणन्य चले।

क्रियायोग आश्रम में मनाया गया 75 वां स्वतंत्रता दिवस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में रविवार को राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने झंडारोहण कर वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया ' सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए यह त्यौहार दिव्यता और भव्यता के साथ आश्रम में मनाया गया ' जहां विश्व के कई देशों के साधकों ने भारतीय राष्ट्रीय गान जन गण मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता व वंदे मातरम गीत मधुर उच्च स्वरों में गायन किया ' राष्ट्रीय गीत से आश्रम प्रांगण गुंजायमान हो उठा '

रविवार की सुबह प्रयागराज के हृदय स्थली झूसी स्थित क्रियायोग आश्रम जहां महावतार बाबाजी ने स्वयं प्रकट होकर स्वामी श्री युक्तेश्वर जी को ज्ञान दिया था ' उसी आश्रम परिसर में सबसे पहले पूर्ण स्वतंत्रता के विषय को विस्तार से समझाने के पश्चात क्रियायोग साधना हुई ' इसके पश्चात क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने झंडारोहण पर वसुधैव कुटुंबकम भारत के साथ-साथ विश्व को संदेश देते हुए कहा कि पूरे विश्व के हम सभी मानव गण सच्ची स्वतंत्रता की ओर आगे बढ़ते हुए नित्य नई और जागृत स्वतंत्रता की अनुभूत तभी कर पाएंगे जब भारत का अद्भुत आध्यात्मिक डेमोक्रेसी व पश्चिम राष्ट्रों में प्रतिपल प्रफुल्लित हो रहे वैज्ञानिक विचारधारा का सम्यक संगम हो और इस संगम का अस्तित्व तब तक बना रहे जब तक दोनों मिलकर एक न हो जाएं '

मृत्युंजय महावतार बाबाजी ने विलुप्त आध्यात्मिक विज्ञान क्रियायोग विज्ञान को पुनर्जीवित करके पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त करने का मार्ग खोल दिया है ' यह सिद्ध हो चुका है कि क्रियायोग के अभ्यास से भारत राष्ट्र का आध्यात्मिक विज्ञान व पश्चिम का भौतिक विज्ञान सरलता से संयुक्त हो जाता है ' अखंड भारत का सपना तभी पूरा होगा जब हर एक देश एक दूसरे देश से प्रेम करने लगे और हर एक मानव में अहिंसा तत्व प्रकट हो '

आने वाले समय में यह सपना निश्चित तौर पर पूरा होगा ' इस अहिंसा तत्व को जागृत करने के लिए क्रियायोग अभ्यास जरूरी है ' क्रियायोग का अभ्यास जैसे जैसे लोग करते जाएंगे मन परिवर्तित होता जाएगा , अहिंसा तत्व जागृत होता जाएगा और एक दिन अखंड भारत का सपना पूरा होगा।

एसडीएम करछना विनोद कुमार पाण्डेय तहसील मुख्यालय पर झंडा रोहण किया

एस एल बी इंटर कालेज चनैनी करछना प्रयागराज के प्रबंधक निर्मल सिंह व विद्यालय शिक्षकों एवं छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति में ध्वजारोहण कर राष्ट्र के कुबार्नी देने वाले सूर वीरों को नमन किया ।और उपस्थित विद्यालय में पढने वाले छात्र एवं छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए सभी का मुँह मीठा कराया

जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल में ध्वजारोहण व सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेस

करछना। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक डॉ आर पी पांडे जी एवं वूमेन वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्षा कुसुम पांडे जी व प्रधानाचार्या सुश्री चित्रा भद्रा द्वारा ध्वजारोहण से हुई। कार्यक्रम के दौरान जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल के 10वीं व 12वीं के मेधावी छात्रों को मेडल व प्रशस्ति पत्र के द्वारा सम्मानित किया गया।विद्यालय में एक ऑनलाइन इंडिपेंडेंस डे वीक का भी आयोजन किया गया था। जिसमें प्रतिभागी छात्रों को भी पुरस्कार दिया गया एवं कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के नए छात्र पदाधिकारियों का भी चयन किया गया तथा सभी मेधावी प्रतिभागियों एवं नवनिर्वाचित छात्र पदाधिकारियों को विद्यालय के प्रबंधक श्री ए.पी. पांडे जी ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक गण एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही। प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व को समझाया तथा धन्यवाद ज्ञापन करके कार्यक्रम का अंत किया।

जीवन ज्योति स्कूल प्रांगण में ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस पर झंडारोहण के साथ देश के बलिदानियों को किया गया नमन

अंखड भारत संदेश

सहसों। विकासखंड सहसों के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त रविवार को 75 वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए विकासखंड सहसों की नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख गीता सिंह ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर उनके नेतृत्व में वहां पर उपस्थित जनों ने राष्ट्रगान गाया तथा भारत देश की आजादी में हुए बलिदानियों को नमन किया एवं उनको याद करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर राकेश बहादुर सिंह, शिव नारायण सिंह गप्पू समाजसेवी, प्रभारी वीडीयो सहसों निखिल मोहन, हेमंत सिंह, अजय राणा, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी राजेश सिंह, रामबहादुर, सोनू सिन्हा व विजय बहादुर आदि लोग उपस्थित रहे। इसी तरह राजाराम तिवारी पूर्व माध्यमिक विद्यालय गुलालपुर प्रयागराज में 75 वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव प्रकाश तिवारी ने झंडारोहण किया। तथा विद्यालय के बच्चों द्वारा राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक रमेश कुमार द्विवेदी, कमलाकांत शुक्ला, कृष्ण मोहन त्रिपाठी, प्रमोद नारायण मिश्र, विद्यालय के प्रबंधक वेद मणि त्रिपाठी एवं महारानी दीन मिश्र, राजेश कुमार मिश्र, जबर सिंह यादव, जय नारायण मिश्र, अशोक कुमार शर्मा, श्वेता शर्मा, पूजा विश्वकर्मा, दीपिका सिंह, मूलचंद, अनिल कुमार मिश्र, कृष्णा त्रिपाठी सहित आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। इसी क्रम में चंद्रपुर उर्फ बसमहुआ स्थित आरडी सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशनल में प्रबंधक विपेन्द्र सिंह पटेल ने झंडारोहण कर देश के बलिदानियों को याद करते हुए राष्ट्रगान गाया एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं शिक्षक शिक्षिकाओं एवं आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया एवं मिष्ठान का वितरण कराया। इस अवसर पर भाजपा गंगा पार के पूर्व जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह, पवन कुमार शुक्ला, अनिल सरोज एवं राम मनोहर सिंह सहित आदि उपस्थित रहे। इसी तरह ग्रामसभा सहसों में स्थित प्राथमिक पाठशाला एवं जूनियर हाई स्कूल परिषदीय में ग्राम प्रधान सहसों विष्णू केसरवानी ने झंडारोहण किया तत्पश्चात समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने राष्ट्र के प्रति राष्ट्रगान गाया तथा देश के वीर सपूतों को याद करते हुए नमन किया। इसी क्रम में सिंधिया पब्लिक स्कूल सहसों के प्राचार्य राजेश कुमार द्विवेदी ने झंडारोहण किया। शिवाजी इंटरमीडिएट कॉलेज सहसों के प्रबंधक तीरथ सिंह ने झंडारोहण किया। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज कसेरुआ कला सहसों में भी प्रबंधक राजेंद्र सिंह ने झंडारोहण किया। पंडित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज भोपतपुर में भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रबंधक भानु प्रताप सिंह ने झंडारोहण कर देश के बलिदानियों को नमन किया। इसी क्रम में छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों के प्रबंधक अनिरुद्ध सिंह पटेल ने 75 वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए झंडारोहण किया। इसी तरह नवयुवक ब्राह्मण सभा के केंद्रीय कार्यालय गारापुर में पूर्व प्रधानाचार्य शारदा प्रसाद शुक्ला ने झंडारोहण कर देश के वीर सपूतों को नमन करते हुए याद किया॥ अवसर पर सभा के अध्यक्ष लवकेश मिश्रा, कृष्ण बल्लभ द्विवेदी प्रदेश संगठन मंत्री, पंकज मिश्रा, शेष नारायण तिवारी, प्रमोद शुक्ला सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

विकास खण्ड सहसों प्रांगण में ब्लाक प्रमुख गीता सिंह झण्डारोहण करतीं

डीएम ने (डफरिन) में बने वैक्सीनेशन सेंटर व चिकित्सालय का किया निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री सोमवार को महिला चिकित्सालय(डफरिन) में बने वैक्सीनेशन सेंटर व चिकित्सालय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने वैक्सीनेशन सेंटर में तैनात चिकित्सा कर्मियों से वैक्सीनेशन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि रोजना कितने लोग वैक्सीनेशन कराने के लिए सेंटर पर आ रहे है। साथ ही उन्होंने वैक्सीनेशन सेंटर पर आने वाले लोगो के बैठने के लिए सेंटर में समुचित व्यवस्था कराने के लिए निर्देश दिये है साथ ही शुद्ध पीने के पानी की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों से जानकारी ली कि ओपीडी में रोज कितने मरीजों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने गर्मी को देखते हुए चिकित्सालय परिसर में कूलर व पंखे निरंतर क्रियाशील रखने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को चुस्त-दूरूस्त रखने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय परिसर में लगाये गये ऑक्सीजन प्लांट के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने जानकारी ली कि ऑक्सीजन प्लांट के माध्यम से कितने बेड़ों को पाइप लाइन से जोड़ा गया है। इसके उपरांत जिलाधिकारी मोती लाल नेहरू मण्डलीय चिकित्सालय काल्विन पहुंचकर वहां पर बनाये गये वैक्सीनेशन सेंटर व चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों से वहां पर चिकित्सा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली तथा सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने का निर्देश दिया है।

भाजपा की तिरंगा यात्रा में फ्री में पेट्रोल लेने के लिए मची लूट, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कौशाम्बी में भाजपा विधायक को तिरंगा यात्रा में भीड़ जुटाने के लिए बाइकर्स को मुफ्त में एक लीटर पेट्रोल बांटना महंगा साबित हो गया। पेट्रोल लेने के लिए मची भगदड़ से स्थिति बेकाबू हो गई। लोगों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। लाठीचार्ज और भगदड़ के चलते स्वतंत्रता दिवस पर झंडे भी जमीन पर लोगों के पैरों के नीचे आ गए। हालांकि बड़ा हादसा होने से बच गया। आसमान पर जाते दामों वाला पेट्रोल जब कार्यकताओं ने जमीन पर देखा तो सब एक ऊपर एक टूट पड़े और छीना झपटी करने लगे। चायल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक संजय गुप्ता ने रविवार 15 अगस्त को अपराह्न तीन बजे तिरंगा यात्रा निकाली। लोगों की मानें तो तिरंगा यात्रा भीड़ जुटाने के लिए विधायक की तरफ से बाइकर्स को एक-एक लीटर पेट्रोल फ्री में बांटने की व्यवस्था की गई थी। तेल की बोतल लेने के लिए भाजपाई एक दूसरे के के ऊपर गिरने लगे। फ्री में पेट्रोल लेने का जुनून लोगों के सिर पर सवार था और लोग अपनी जान की परवाह तक नहीं कर रहे थे। भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि कार्यक्रम स्थल कोखराज थाना क्षेत्र के किड्जी स्कूल कैंपस में पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। पेट्रोल की एक बोतल को पाने के लिए कई लोगों में छीना झपटी हो रही थी।

चायल विधानसभा में 40 किलोमीटर की थी तिरंगा यात्रा

प्रयागराज। विधायक संजय गुप्ता की ओर से पूर्व में ही प्रस्तावित इस तिरंगा यात्रा की तैयारियां महीनों पहले से शुरू कर दी गई थी। स्वाधीनता दिवस के मौके पर करीब 3 बजे भरवारी कस्बा स्थित किड्जी कालेज परिसर से 40 किलोमीटर लम्बी यात्रा शुरू हुई। इस यात्रा में भीड़ की कमी न हो इसके लिए पेट्रोल बोतलों में स्टॉक कर रखा गया था। जिनको लेने के लिए कार्यकर्ता अपनी जान पर खेलने के लिए अमादा हो गए।

तिरंगा यात्रा में भाजपा विधायक ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। डिप्टी सीएम केशव मौर्या के बड़े बेटे योगेश मौर्या, जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी सहित पूरी जिला इकाई यात्रा का हिस्सा बनी। इस दौरान भीड़ ने कोविड नियमों को तार किया। लेकिन किसी भी जिम्मेदार ने रोकने की जहमत नहीं उठाई। इस बाबत विधायक संजय गुप्ता का कहना है कि यह सब विरोधियों की साजिश है। तिरंगा यात्रा के लिए उन्होंने बोतलों में कोई पेट्रोल नहीं बांटा था। यात्रा में शामिल कार्यकताओं ने किड्जी परिसर के बगल स्थित पंप से पेट्रोल भराया था।

दिल्ली में बीजेपी की 'जन आशीर्वाद यात्रा' शुरू, हरदीप पुरी ने गुरुद्वारे से और मीनाक्षी लेखी ने वैक्सीनेशन सेंटर से किया आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की नीयत और नीतियों के प्रति लोगों में विश्वास बढ़ाने के लिए दो केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं हरदीप सिंह पुरी और मीनाक्षी लेखी ने सोमवार को दिल्ली में अपनी 'जन आशीर्वाद यात्रा' का शुभारंभ किया। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'जन आशीर्वाद यात्रा' शुरू करने से पहले सोमवार को दिल्ली के तिलक नगर में फतेह नगर गुरुद्वारे में मत्था टेका। वहीं, विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने एक टीकाकरण केंद्र से जन आशीर्वाद यात्रा रवाना की। इस बीच उन्होंने टीकाकरण केंद्र पर लोगों से बात भी की। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री जनता के सेवक हैं, उसी सेवा भाव से मैं जनता का आशीर्वाद लेने उनके बीच आई हूं।

हरदीप सिंह पुरी ने गुरुद्वारे में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि 'जन आशीर्वाद यात्रा' शुरू करने से पहले मैं यहां अपने गुरुओं का आशीर्वाद लेने आया हूं। नए मंत्रिमंडल में ओबीसी, एससी का प्रतिनिधित्व है। यह अगले 25 वर्षों के लिए पीएम मोदी के उस तरह के नए भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है जो वह चाहते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र की कई योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली के लोगों का आशीर्वाद ले रहे हैं। इस दौरान गुरुद्वारे के बाहर काफी संख्या में लोग जमा हो गए। ट्विटर के माध्यम से पुरी ने लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा, ठधन्यवाद पश्चिमी दिल्ली। जन आशीर्वाद यात्रा कोँ ब्ह4अत्प् के प्रत्येक मंडल द्वारा जबर्दस्त प्यार और उत्साह के साथ लिया जा रहा है। सभी मेहनती पार्टी कार्यकर्ताओं को जोश से भरपूर बधाई। सोमवार 16 अगस्त से शुरू हुई यह यात्रा 20 अगस्त तक चलेगी। मंत्रिमंडल के शामिल किए गए सभी 43 नए सदस्यों ने लोगों का आशीर्वाद लेने के लिए यात्रा शुरू की है। नए मंत्रियों द्वारा यह यात्रा इसलिए शुरू की गई है क्योंकि संसद के मॉनसून सत्र में विपक्ष द्वारा बार-बार व्यवधान डालने के कारण इस महीने की शुरुआत में संसद में उनका परिचय नहीं कराया जा सका। यह जन आशीर्वाद यात्रा आंतरिक, बाहरी, आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य क्षेत्रों और कार्यक्रमों में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों से लोगों को अवगत कराने का प्रयास करेगी, जिसका उद्देश्य आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करके रोजगार को बढ़ावा देना है।

ऑक्सीजन की कमी से मौतों की जांच के लिए कमेटी बनाने की मांग, दिल्ली सरकार ने एलजी को फिर भेजी फाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राजधानी में ऑक्सीजन की कमी से संबंधित मौतों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाने के अनुरोध वाली फाइल सोमवार को एक बार फिर से उपराज्यपाल अनिल बैजल को भेज दी है। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे दिल्ली के उपराज्यपाल को ऑक्सीजन से संबंधित मौतों की जांच के लिए कमेटी के गठन को मंजूरी देने का निर्देश दिए जाने आग्रह भी किया है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि हमने एलजी को एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने की मंजूरी के लिए एक फाइल भेजी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ऑक्सीजन की कमी के कारण कितने कोविड ????रोगियों की मृत्यु हुई। मैंने अमित शाह को भी पत्र लिखकर एलजी को कमेटी के गठन को नहीं रोकने का निर्देश देने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और अदालतें ऑक्सीजन की कमी के कारण होने वाली मौतों की संख्या जानना चाहती हैं, लेकिन दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण मरने वालों की सही संख्या का पता लगाना संभव नहीं है। इसलिए, मैंने फिर से एलजी को ऑक्सीजन संकट के कारण हुई मौतों की जांच के लिए एक कमेटी के गठन से संबंधित फाइल भेज दी है। सिसोदिया ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जल्द ही अनुमति मिल जाएगी। सिसोदिया ने पहले कहा था कि बैजल ने ऑक्सीजन से संबंधित मौतों की जांच के लिए कमेटी के गठन और ऑक्सीजन की कमी के कारण मरने वालों के परिवारों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने की मंजूरी नहीं दी थी। गौरतलब है कि राजधानी कोविड की बेहद क्रूर दूसरी लहर के दौरान सभी अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई थी। इसके चलते पैदा हुए ऑक्सीजन संकट और बेड्स की कमी के कारण कई लोगों की जान चली गई थी।

आईवीएफ से जन्मे बच्चे पर केवल महिला का अधिकार, पिता के बारे में नहीं मांग सकते जानकारीः केरल हाई कोर्ट

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि आईवीएफ से जन्मे बच्चे के जन्म-मृत्यु पंजीकरण के लिए पिता के बारे में जानकारी मांगना उचित नहीं है। हाई कोर्ट ने कहा कि आईवीएफ जैसी सहायक प्रजनन तकनीकों से अकेली महिला के गर्भधारण को मान्यता दी गई है और ऐसे में इन पद्धति से जन्मे बच्चों के जन्म-मृत्यु पंजीकरण में पिता के बारे में जानकारी मांगना निश्चित तौर पर मां के साथ-साथ उस बच्चे के सम्मान के अधिकार को भी प्रभावित करता है। हाई कोर्ट ने कहा कि राज्य को ऐसी प्रक्रिया से जन्मे बच्चों के जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के लिए उचित 'फार्म मुहैया कराना चाहिए। हाई कोर्ट ने फैसले में कहा, एकल अभिभावक या एआरटी से मां बनी अविवाहित महिला के अधिकार को स्वीकार किया गया है, ऐसे में पिता के नाम के उल्लेख की जरूरत, जिसे गुप्त रखा जाना चाहिए, उसकी निजता,

स्वतंत्रता और सम्मान के अधिकार का उल्लंघन है। यह फैसला अदालत ने एक तलाकशुदा महिला की याचिका पर सुनाया जिन्होंने' इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रक्रिया से गर्भधारण किया था और केरल जन्म-मृत्यु पंजीकरण नियमावली 1970 में पिता की जानकारी देने संबंधी नियम को चुनौती दी थी।महिला ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि पिता के नाम का खुलासा नहीं किया जा सकता क्योंकि शुक्राणु दानकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है और यहां तक उन्हें भी इसकी जानकारी नहीं दी गई है। इसके अलावा पिता की जानकारी देने की जरूरत उनकी निजता, स्वतंत्रता और सम्मान के अधिकार का उल्लंघन है।

अफगानिस्तान में भारतीयों को लेकर चिंता

डॉयचे वेले, दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में अभी भी कई भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं. काबुल पर भी तालिबान का कब्जा हो जाने के बाद अब यह साफ नहीं हो पा रहा है कि उनकी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी और उन्हें वहां से कैसे निकाला जाएगा. 15 अगस्त को ही एयर इंडिया के एक विमान से 129 भारतीयों को काबुल से नई दिल्ली लाया गया. आज भी एक और विमान का काबुल से आना निर्धारित था लेकिन अब काबुल का पूरा हवाई क्षेत्र ही बंद कर दिया गया है।

ऐसे में भारत समेत कई देशों में उनके नागरिकों को अफगानिस्तान से निकाल लेने को लेकर चिंता बढ़ गई है. अनुमान है कि वहां अभी भी कम से कम 1000 भारतीय नागरिक हैं. पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कहा है कि करीब 200 सिख अफगानिस्तान में एक गुरुद्वारे में फंसे हुए हैं. सैकड़ों भारतीय फंसे सिंह ने ट्वीट करके विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया है कि उन सब के साथ साथ वहां फंसे सभी भारतीयों को भारत लाने का प्रबंध किया जाए. विदेश मंत्रालय ने इस विषय पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया हैकाबुल का हवाई क्षेत्र

बंद होने से पहले काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अराजक स्थिति हो चुकी थी. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें हवाई अड्डे पर खड़े एक विमान में चढ़ने के लिए लोगों में होड़ लगी हुई है. हताशा भरी इस स्थिति के बीच काबुल हवाई अड्डे पर कम से कम पांच लोगों के मारे जाने की खबर भी आई. एक चश्मदीद गवाह ने बताया कि उसने सैन्यकमिर्यों को पांच लाशों को एक गाड़ी के पास ले जाते हुए देखा. सरकार की आलोचना एक और व्यक्ति ने कहा कि यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन लोगों की मौत गोली चलने से हुई या भगदड़ से. इसके पहले हवाई अड्डे नियंत्रण में लेने के बाद वहां जमा भीड़ को हटाने के लिए हवा में गोली चलाई थी. इस बीच भारत में विपक्षी पाटिर्यों ने इस परिस्थिति से निपटने के लिए कोई पुख्ता योजना ना बनाने के लिए भारत सरकार की आलोचना की. कांग्रेस पार्टी ने एक संदेश में कहा कि सरकार द्वारा भारतीय नागरिकों, राजदूतों को वापस लाने के बारे में कोई योजना ना बनाना ठसरकार की जिम्मेदारी में सख्त कोताही का ज्वलंत उदाहरण हैठ पार्टी ने मांग की है कि सरकार यह बताए कि सभी को कैसे सुरक्षित वापस लाया जाएगा और ठअफगानिस्तान के साथ हमारी भविष्य की रणनीति क्या होगी।

कोलकाताः कांग्रेस से इस्तीफे के बाद टीएमसी में शामिल हुई सुष्मिता देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस से इस्तीफा देने वाली सुष्मिता देव सोमवार को तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। कोलकाता में उन्होंने टीएमसी ज्वाइन की। इस दौरान टीएमसी के नेता अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओ ब्रायन भी उपस्थित रहे। सुष्मित देव महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष थीं और पूर्व सांसद भी। कांग्रेस के लिए सुष्मिता देव के इस्तीफे को तगड़ा झटका माना जा रहा है। उन्होंने रविवाद को ही कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा भी दिया था। सुष्मिता देव के इस्तीफे की खबरों पर कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मैं उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहा हूं लेकिन उनका फोन बंद है। सुरजेवाला ने कहा वो कांग्रेस की पुरानी और कद्दावर नेता हैं। सोनिया गांधी को अभी तक उनका खत नहीं नहीं मिला है। पार्टी से इस्तीफा देने से पहले सुष्मिता देव ने ट्विटर अकाउंट पर अपना बायो बदलकर पूर्व कांग्रेस नेत्री कर दिया था। सुष्तिमा देव के इस्तीफे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने कहा कि अंतर्कलह से जूझ रही कांग्रेस पार्टी के नेताओं का दर्द सुष्मिता देव के इस्तीफे के साथ बाहर आ गया।

वाजपेयी जी की तीसरी पुण्यतिथि प्रधानमंत्री मोदी ने 'सदैव अटल' जाकर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली 'सदैव अटल' समाधि पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने वालों में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू भी शामिल थे। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अन्य नेता भी स्मारक पर मौजूद थे। देश के प्रमुख नेताओं में से एक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य, वाजपेयी का लंबी बीमारी के बाद 16 अगस्त, 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

(एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।वाजपेयी ने तीन बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वह पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद उन्होंने 1998 और 2004 में देश की बागडोर संभाली। आपको बता दें देश उनके जन्मदिन (25 दिसंबर) को को 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाता है। उन्हें 2014 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दे सकता है अमेरिका? रखी शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में जारी संकट के बीच अमेरिका तालिबान सरकार को मान्यता दे सकता है। सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कहा कि अमेरिका अफगानिस्तान में भविष्य की सरकार को तभी मान्यता देगा जब वह अपने लोगों के बुनियादी अधिकारों को बनाए रखने और आतंकवादियों को देश से बाहर रखेगा। डॉन न्यूज के अनुसार दरअसल अमेरिकी विदेशी मंत्री एंटनी ब्लिंकन की यह टिप्पणी उन मीडिया रिपोर्टों पर आई है जिसमें दावा किया गया है कि चीन तालिबान को वैध सरकार के रूप में मान्यता देने के लिए तैयार है। ब्लिंकन ने कहा कि भविष्य की अफगान सरकार जो अपने लोगों के मूल अधिकारिों को बरकरार रखती है और आतंकवादियों को पनाह नहीं देती है तो वह ऐसी सरकार के साथ काम कर सकते हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान राज से खुश हुआ अमेरिका का जानी दुश्मन ईरान, कहा. अब आएगी शांति

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद दुनिया के कई देशों से चिंता जताई है। लेकिन एक देश ऐसा है जो यहां पर तालिबान के राज से बेहद खुश है। यह देश है अमेरिका का जानी दुश्मन ईरान। अफगानिस्तान में अमेरिका की विफलता पर ईरान का कहना है कि इससे अफगानिस्तान में शांति स्थापित होने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि अमेरिकी फौजों की वापसी की घोषणा के बाद से ही अफगानिस्तान में तालिबान सक्रिय हो गया था। वहीं अब अफगानिस्तान में तालिबान का शासन भी स्थापित हो गया है। बता दें कि पूर्व में अमेरिका ईरान पर इस बात का आरोप लगा चुका है कि वह तालिबान लड़ाकों की मदद करता है। हालांकि ईरान ने हमेशा इस बात से इंकार किया है और

वह अफगान सरकार को समर्थन देने की बात कहता रहा है। शायद यही वजह है कि ईरानी राष्ट्रपति इब्राहीम रईसी ने अफगानिस्तान में अमेरिका की हार पर खुशी जताई है। ईरानी टीवी ने राष्ट्रपति रईसी के हवाले से कहा है कि अमेरिकी सेना की हार और अफगानिस्तान से उनका हटनाए अफगानिस्तान में बेहतर जिंदगीए सुरक्षा और शांति बहाली में मदद करने वाला है। रईसी ने कहा है कि ईरान अफगानिस्तान में स्थायित्व चाहता है। पड़ोसी देश होने के नाते ईरान सभी ग्रुप्स को अफगानिस्तान में आमंत्रित करता है ताकि एक राष्ट्रीय समझौते पर बात हो सके।

शिया मुस्लिमों वाला देश ईरान सुनने मुस्लिमों वाले तालिबान का लंबे अरसे से दुश्मन रहा है।

पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए है काला दिनए सिंधी और बलूचों ने किया प्रदर्शन

लंदन (एजेंसी)। 14 अगस्त को जब पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया जा रहा थाए उसी दौरान लंदन में बसे सिंध और बलोच समुदाय के लोगों ने उसके खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारियों ने मानवाधिकारों का हनन को लेकर उसकी पोल खोली। उन्होंने इसे अपने लिए काला दिन बताया।

लोग हाथों में पाकिस्तान के खिलाफ पोस्टर.बैनर लिए हुए थेए जिन पर लिखा था श14 अगस्त बलोच और सिंधियों के लिए काला दिन हैश् और शबलोच लोगों का नरसंहार बंद करोश। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके अलावा दुनिया के कई अन्य देशों में भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन हुए। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे में इस्लामाबाद की भूमिका को लेकर उसकी निंदा की गई। तालिबानी कब्जे को लेकर अमेरिकाए ऑस्ट्रेलियाए कनाडाए यूके और ऑस्ट्रिया में विरोध प्रदर्शन किया गया। बर्लिन के ब्रेंडेनबर्ग में भी करीब 300 लोग जुटे और अफगानिस्तान में तालिबान के समर्थन के लिए पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की।

भागने से पहले अशरफ गनी ने कहाए वो भाग गए थे लेकिन मैं नहीं भागूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान के लड़ाकों ने अफगानिस्तान को अपने कब्जे में ले लिया है। अमेरिकी सेना के जाने के कुछ दिनों बाद ही तालिबान ने यह सब किया है। पहले उसने अफगानिस्तान के कुछ प्रांतों को अपने कब्जे में ले लियाए फिर देखते ही देखते अब वह पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर चुका है। हालत यह है कि अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी भी देश छोड़कर भाग गए। इसी बीच अशरफ गनी के कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं नहीं भागूंगा। दरअसलए इस वीडियो को ट्विटर पर पोस्ट किया गया है और यह दस दिन पुराना वीडियो बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिकए तालिबान

के काबुल पर कब्जा करने से 10 दिन पहले ही अशरफ गनी ने कहा था कि वो देश छोड़ने वाले नहीं हैं। अशरफ गनी एक मंच से ये ऐलान करते दिख रहे हैं। अशरफ गनी ने कहा कि वह अफगानिस्तान के सम्राट अमौल्लाह का सम्मान करते हैं लेकिन अमानुल्लाह भाग गएए और मैं नहीं भागूंगा।लेकिन अब जैसे ही तालिबान लड़ाके काबुल में दाखिल हुएए इसी बीच राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर भाग गए हैं। बताया जा रहा है कि अशरफ गनी कैश से भरी चार कारों और एक हेलिकॉप्टर के साथ काबुल से बाहर निकले थे। न्यूज एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। रूसी न्यूज एजेंसी त्प्। और कुछ प्रत्यक्षदशिर्यों के हवाले से एजेंसी ने कहा कि अशरफ गनी को कुछ पैसा छोड़कर ही जाना पड़ा क्योंकि वह उसे रख नहीं पा रहे थे। काबुल में रूसी दूतावास के प्रवक्ता निकिता इंशचेन्को ने कहाए श्चार कारें कैश से भरी हुई थीं। उसके बाद उन्होंने कुछ रकम हेलिकॉप्टर में रखी। इसके बाद भी वह पूरा पैसा नहीं रख पाए और कुछ पैसे यूं ही छोड़कर निकल गए।श् रूसी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि एक प्रत्यक्षदर्शी से मिली जानकारी के अनुसार वह यह बात कह रहे हैं। फिलहाल अफगानिस्तान में भगदड़ मची हुई है क्योंकि तालिबान ने पूरे देश पर कब्जा कर लिया है। तालिबानी लड़ाके राजधानी काबुल में चारों तरफ से घुस गए और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी देश छोड़कर फरार हो गए।

अफगानिस्तान पर चौतरफा घिरने से दबाव में आए बाइडेन, जारी कर सकते हैं अमेरिका के नाम संदेश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे को लेकर घिरे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द ही देश को संबोधित कर सकते हैं। उनके एक सहयोगी ने सोमवार को यह बात कही। दो दशक तक अफगानिस्तान में जंग लड़ने वाले अमेरिका ने जिस तरह अब यहां के निवासियों को विद्रोही और आतंकी समूहों के भरोसे छोड़ दिया हैए उसको लेकर अमेरिका की आलोचना की जा रही है। खुद अमेरिकी भी बाइडेन की अफगान नीति से सहमत नहीं हैं। वॉइट हाउस के नेशनल सिक्यॉरिटी अडवाइजर जाके सुलिवन ने एबीसी को बतायाए श्वे ;अमेरिकनद्ध राष्ट्रपति से जल्द संदेश की उम्मीद कर सकते हैं। वह इस समय नेशनल सिक्यॉरिटी टीम के साथ सक्रियता से काम कर रहे हैं। वह इस परिस्थिति पर बहुत काम कर रहे हैं।श्श् हालांकिए उन्होंने यह नहीं बताया कि बाइडेन कब और

किस तरह से यह संदेश देंगे। 9ध्11 की घटना के बाद अमेरिका ने अफगानिस्तान में कट्टरपंथी और आतंकी समूहों के खिलाफ जंग छेड़ी थी। लेकिन 20 साल बाद अफगानिस्तान एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ा है। बिना किसी ठोस नतीजे के और और अचानक अमेरिकी सैनिकों की वापसी से तालिबान ने दोबारा अपने पैर पसार लिए हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बाइडेन पर तंज कसते हुए कहा है कि वह होते तो हालात अलग होते। हालांकिए ट्रंप ने ही तालिबान से समझौता करते हुए अमेरिकी सैनिकों की वापसी का ऐलान किया था।

प्रयागराज

समस्त क्षेत्रवासियों व नगर वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं